हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि
रोहतक, रविवार, 1 जून 2025

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

10 धुम्रपान से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति रहें जागरूक : डॉ. भोला

10 बुजुर्गों की सेवा करना हमारा धर्मः बहादुर सिंह

खबर संक्षेप

903 ग्राम गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

जींद। गढ़ी थाना पुलिस ने धमतान साहिब में एक महिला को काबू कर उसके कब्जे से 903 ग्राम गांजा बरामद किया है। महिला गांजा बेचने के लिए ग्राहकों का इंतजार कर रही थी। गढ़ी थाना पुलिस ने महिला के खिलाफ नशीले पदार्थ निरोधक अधिनियम के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

चोरी के ट्रक सहित आरोपित गिरफ्तार

कैथल। वाहन चोरों पर एसपी आस्था मोदी के आदेशानुसार शिकंजा कसते स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा गांव करोड़ा क्षेत्र से चोरीशुदा ट्रक सहित एक आरोपी को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश चंद की अगुवाई में एचसी देवेंद्र सिंह की टीम गश्त दौरान ब्रह्मानंद चौंक पूंडरी पर मौजूद थी।

बाइक चोरी करने का आरोपित दबोचा

जींद। जुलाना थाना पुलिस ने बाइक चोरी के एक आरोपित को काबू कर उसके कब्जे से चोरीशुदा बाइक बरामद की है। पुलिस आरोपित से पूछताछ कर रही है। गांव बुआना निवासी सुनील कुमार ने गत 27 मई को दी शिकायत में बताया था कि वह गांव के सरकारी स्कूल में आयोजित कार्यक्रम में गया हुआ था। जब आधे घंटे बाद वह स्कूल से बाहर आया तो बाइक वहां पर नही थी। तलाशने तथा पर बाइक का कोई सुराग नही लगा।

बाइक की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल

कैथल। कस्बा सीवन में बाइक की चपेट में आने से एक व्यक्ति घायल हो गया। उसे अस्पताल में दाखिल करवाया है। सीवन के अमनदीप ने सीवन पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 24 मई को जब वह पैदल अपने घर से दुकान पर जा रहा था तो कस्बा के बलराज ने बाइक को तेज गति और लापरवाही से चलते हुए उसे टक्कर मार दी।

फोटो स्टेट की दुकान में चोरी करते युवक पकड़ा

जींद। डीआरडीए के सामने हुडा मार्केट में फोटो स्टेट दुकान में चोरी करने की कोशिश कर रहे युवक को मालिक ने काबू कर लिया। सिविल लाइन थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव ईंटल कलां निवासी रविंद्र ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी डीआरडीए के सामने हुडा मार्केट में फोटो स्टेट की दुकान है।

चोरों ने मकान से 50 हजार की नकदी चुराई

कैथल। कलायत के गांव बालू से चोर एक मकान में घुसकर वहां से 50000 की नकदी चुरा कर ले गए। बालू के संदीप ने कलायत पुलिस को दी शिकायत में आरोप लगाया है कि 29 मई की रात को कर उसके मकान में घुसकर वहां पर रखें 50000 की नकदी चुरा कर ले गए। पीएसआई मनु ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है।

सरकारी पुलिया तोड़ने पर 3 के खिलाफ केस

जींद। गांव बागडू में निर्माण की गई पुलिया तोडऩे पर सदर थाना सफीदो पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। पंचायतीराज सफीदों के एसडीओ ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव बागडू में नाली निर्माण के साथ पुलिया का निर्माण किया जा रहा है।

आभूषण व नकदी चोरी का चौथा आरोपी दबोचा

कैथल। एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई प्रदीप की अगुवाई में एएसआई अशोक की टीम ने आरोपी लखन माजरा जिला रोहतक निवासी मुकेश को काबू कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि भागल निवासी निवासी लाल सिंह की शिकायत अनुसार मकान की खिड़की उखाड़ कर अज्ञात ने जेवर नकदी को चुरा लिया था।

बिजली सरचार्ज माफी योजना लागू: जींद में करीब एक लाख 38 हजार 11 डिफाल्टर उपभोक्ता ले सकेंगे लाभ

जिले में बकाया बिजली की कुल राशि 1441.99 करोड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिला में सरचार्ज माफी योजना 2025 लागू किया गया है। इस योजना के तहत अब तक 432 डिफाल्टर उपभोक्ताओं ने बकाया बिल के 66 लाख रुपये जमा करवा दिए हैं। जबकि उनके 23 लाख रुपये माफ हो गए हैं। जिससे बिजली निगम के बकाया बिलों की कुल राशि में से 90 लाख रुपये कम हो गए हैं। हालांकि जिले में बकाया बिजली की कुल राशि 1441.99 करोड़ है। वहीं सरचार्ज की कुल राशि 171 करोड़ है। बिजली सरचार्ज माफी योजना का ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में स्थित सभी निजी उपभोक्ता श्रेणियों, कृषि श्रेणी, सरकारी, नपा, ग्राम पंचायत, राज्य सरकार एवं अन्य पब्लिक सर्विस यूटिलिटी, औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के कनेक्टेड और डिस्कनेक्टेड उपभोक्ताओं लाभ ले सकेंगे।

432 डिफाल्टरों ने 66 लाख जाम करवाए

योजना 11 नवंबर तक चलेगी। यदि कोई उपभोक्ता उपमंडल कार्यालय के किसी आदेश या निर्णय से असंतुष्ट है तो वह संबंधित कार्यकारी अभियंता के समक्ष अपील कर सकता है। अपील होने पर कार्यकारी अभियंता तीन कार्य दिवसों के भीतर उस पर निर्णय लेंगे। राशि को तीन चालू बिल के नियमित भुगतान के साथ किश्तों में माफ किया जाएगा।

न्यायिक फोरम में बिल होने पर भी मिलेगा लाभ

जिन उपभोक्ताओं के मामले वर्तमान में बिलिंग विवादों के कारण किसी न्यायिक फोरम में हैं, वे मामला वापस लेकर इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। केस वापस लेने वाला उपभोक्ता इस योजना का लाभ लेने के लिए पात्र होगा। इसके अलावा कनेक्शन काटे गए उपभोक्ताओं के मामले में, एकमुश्त राशि के भुगतान पर या मूल राशि की पहली किश्त के भुगतान पर लागू होने वाले पुनरू कनेक्शन आदेश शुल्क को चार्ज करने के बाद दोबारा कनेक्शन किया जाएगा। छह महीने या दो साल से अधिक पुराने कनेक्शन के मामले में आवेदक को नया उपभोक्ता माना जाएगा।

अब तक 432 डिफाल्टर उपभोक्ताओं ने उठाया लाभ : सुखीजा

बिजली निगम अधीक्षण अभियंता एमएल सुखीजा ने बताया कि अब तक 432 डिफाल्टर उपभोक्ताओं ने कुल 66.72 लाख रुपये जमा करवा दिए हैंए उनके 23ण्34 लाख रुपये माफ हो गए हैं। योजना के तहत औद्योगिक और अन्य श्रेणियों के उपभोक्ताओं को कुल मूल राशि के साथ 50 प्रतिशत राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर शेष 50 प्रतिशत अधिभार राशि माफ कर दी जाएगी।

उपभोक्ताओं के लिए ये होगी शर्तें

यह योजना ऐसे उपभोक्ताओं के लिए वैध होंगी जो 31 अगस्त 2024 तक बिजली निगम के डिफॉल्टर थे। एकमुश्त भुगतान किया जाता है तो पात्र सभी घरेलू, कृषि उपभोक्ताओं को मूल राशि पर दस प्रतिशत की छूट दी जाएगी। इसके अलावा उनका सारा सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसके तहत सभी श्रेणी के उपभोक्ताओं के लिए योजना की अधिसूचना की तारीख तक कुल विलंबित भुगतान रोक दिया जाएगा। घरेलू उपभोक्ता जो योजना में हिस्सा लेंगे, उनके पास अधिसूचना की तारीख तक बकाया मूल राशि का एकमुश्त या आठ मासिक, चार द्विमासिक किश्तों में भुगतान करने का विकल्प मिलेगा। बकाया सरचार्ज राशि को आठ चालू मासिक या चार द्विमासिक बिलों के नियमित भुगतान के साथ किश्तों में माफ किया जाएगा। कृषि श्रेणी उपभोक्ताओं के पास बकाया मूल राशि का भुगतान एकमुश्त या तीन बिलिंग चक्रों में करने का विकल्प होगा। कृषि उपभोक्ताओं का विलिंग चक्र चार महीने में एक बार होता है।

गांव हंसडैहर में खाद छिड़क रहे किसान की करंट लगने से मौत

- पुलिस ने बिजली निगम के खिलाफ दर्ज किया लापरवाही से मौत का मामला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

गांव हंसडैहर खेत में खाद छिड़क रहे किसान की शनिवार को करंट लगने से मौत हो गई। गढ़ी थाना पुलिस ने मृतक के भाई की शिकायत पर बिजली निगम के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गांव हंसडैहर निवासी हरदेव (40) शनिवार को अपने खेत में गया हुआ था। उसी दौरान उसका पांव जमीन को छू रही बिजली तार को छू गया। जिसके चलते हरदेव बिजली करंट की चपेट में आ गया। गंभीर हालात में नागरिक अस्पताल लाया गया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पाकर गढ़ी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। मृतक के भाई सुखदेव ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि पिछले दिनों आए तुफान के दौरान खेत से गुजर रही बिजली लाइन का तार जमीन को छू रहा था। उसका भाई हरदेव खेत में पड़ी बिजली तार को नही देख पाया। जब वह खाद का छिडकाव कर रहा था तो उसका पांव बिजली तार पर रखा गया। उसने आरोप लगाया कि बिजली निगम की लापरवाही के कारण उसके भाई की मौत हुई है। गढ़ी थाना पुलिस ने मृतक के भाई सुखदेव की शिकायत पर बिजली निगम के खिलाफ लापरवाही से मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गढ़ी थाना के जांच अधिकारी अनिल कुमार ने बताया कि मृतक के भाई ने आरोप लगाते हुए शिकायत दी थी। फिलहाल मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

मुनाफे का झांसा दे लगाया 1.80 लाख का चूना

जींद। साइबर ठगों ने सोशल प्लेटफर्म पर ऑनलाइन प्रमोशन करने में अच्छे मुनाफे का झांसा देकर एक लाख 80 हजार रुपये का चूना युवक को लगा दिया। साइबर थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। गांव दालमवाला निवासी संजय ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी बात टेलीग्राम पर सोशल प्लेटफार्म पर ऑनलाइन प्रमोशन का ऑफर दिया गया। जब उसने कंपनी को गुगल पर सर्च किया तो वह ठीक लगी। जिस पर उसने गत 25 मई को दस हजार रुपये दिए गए खाते में ट्रांसफर कर दिए। जिसके बाद उसने बीस हजार रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर कर दिए। 26 मई को 50 हजार रुपये और दस हजार रुपये और अलग-अलग आईडी पर ट्रांसफर कर दिए। इस प्रकार वह एक लाख 80 हजार रुपये ट्रांसफर कर चुका था। आरोपित बार-बार उस पर राशि डिपोजिट करने का दबाव बना रहे थे। जब उसने अपने स्तर पर जांच की तो उसे धोखाधड़ी का अहसास हुआ। साइबर थाना पुलिस ने संजय की शिकायत पर अज्ञात लोगो के खिलाफ धोखाधडी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मौसम बना परिवर्तनशील, तापमान में गिरावट की संभावना

बारिश ने आंधी और गर्मी से दिलाई राहत मौसम सुहाना, पेड़-बिजली के पोल गिरे

बिजली गुल, लोगों को करना पड़ा परेशानी का सामना, फ्लैक्स गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जिले में शनिवार दोपहर बाद धूल भरी आंधी तथा गर्मी व उमस से बारिश ने राहत दिलाने को काम किया है। आंधी से बिजली गुल हो गई और होर्डिंग, फ्लेक्स, बोर्ड उखड़ कर नीचे जा गिरे। कुछ स्थानों पर पेड़ तथा बिजली के खंभे भी टूट गए। जिसके चलते लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 28 डिग्री दर्ज किया गया। मौसम में आद्रता 24 प्रतिशत तथा हवा की गति 19 किलोमीटर प्रतिघंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार तीन जून तक बादलवाई आकाश में बनी रहेगी। धूल भरी हवा चलने, गरज तथा चमक के साथ बारिश की संभावना है। उमस तथा गर्मी से मिली राहत, मौसम हुआ सुहाना शनिवार को दिन का आगाज आंशिक बादलों के साथ हुआ। दिन चढऩे के साथ मौसम गर्म होने के साथ उमस भरा हो गया। दोपहर बाद मौसम ने करवट ली और धूल भरी आंधी चलने लगी। कुछ समय के बाद बादल गहरे हो गए और तेज हवा के साथ बारिश शुरू हो गई। हालांकि बारिश ज्यादा नही हुई। बारिश ने आंधी के साथ गर्मी तथा उमस से राहत दिलाई। जिसके बाद मौसम भी सुहाना हो गया। आकाश में छाए बादलों ने बारिश के आसार भी बने रहे।

जींद। बारिश के बाद गली में जमा पानी। फोटो :हरिभूमि

जींद। दोपहर को हुई बरसात से गीली हुई धरती। फोटो :हरिभूमि

कोई जनहानि नही

तेज धूल भरी आंधी तथा बारिश के कारण कुछ स्थानों पर पेड़ तथा बिजली के खंभे टूट कर गिर गए। जिसके कारण बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। दुकानों तथा सड़कों के साथ लगे फ्लेक्स तथा होर्डिंग व बोर्ड, खेतों में लगे सोलर पैनल उखड़ कर गिर गए। गनीमत यह रही कि कोई जनहानि नही हुई। व्यवस्था गड़बड़ा जाने के कारण लोगो को जरूर परेशानी का सामना करना पड़ा। मौसम वैज्ञानिक डा. राजेश ने बताया कि मौसम परिवर्तनशील बना हुआ है। आकाश में बादलवाई देखने को मिलेगी। साथ में धूल भरी हवा चलने और बारिश की भी संभावना है। तापमान मे भी कुछ गिरावट आएगी।

जींद। बारिश से पहले आई तेज आंधी के बीच से गुजरते वाहन। फोटो :हरिभूमि

दो वर्ष तक मर्जी से रिलेशन में रहना रेप नहीं कहा जा सकता

- अदालत ने दुष्कर्म के दोषी को किया बरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

अतिरिक्त सैशन जज अनुपामिश मोदी ने अपहरण, दुष्कर्म, धमकी और पोकसो एक्ट के आरोपी को निर्दोष करार देते बरी कर दिया है। इस बारे में लड़की ने महिला थाना में केस दर्ज करवाया था।

बचाव पक्ष की ओर से मुकदमे की पैरवी एडवोकेट मंदीप सिंह ने की। जानकारी के अनुसार शिकायतकर्ता लड़की की अगस्त 2019 में आकाश निवासी शक्ति नगर कैथल के साथ सोशल मीडिया पर जानकारी हुई थी। फिर लड़की व आकाश मिलने लगे। आरोप है कि सितंबर 2019 में आकाश लड़की को बहला फुसला कर एक कैफे में ले गया जहां उसने कोल्ड ड्रिन्क में कुछ नशीला पदार्थ मिला कर युवती को पिला दिया जिससे वह बेहोश हो गई। शिकायत के अनुसार उस समय लड़की की उम्र साढ़े 17 साल थी। इसके बाद आकाश ने लडकी के साथ उसकी मर्जी के बिना बेहोशी की हालत में शारीरिक संबंध बनाए। आकाश उसके बाद कहने लगा कि मैं तुझसे शादी करना चाहता हूं। मेरे से गलती हो गई है, मुझे माफ कर दो। जब लडकी ने अपने घर व पुलिस को शिकायत करने बारे कहा तो आकाश कहने लगा कि यदि तुमने किसी से भी कहा तो तुझे वा तेरे परिवार को जान से मार दूंगा व खुद भी मर जाऊंगा।

अवैध पिस्तौल व कारतूस सहित आरोपित गिरफ्तार

कैथल। अवैध असला-अमुनेशन रखने वाले अपराधियों की धरपकड़ के लिए एसपी आस्था मोदी के निर्देशनुसार चलाई जा रही मुहिम तहत स्पेशल डिटेक्टिव युनिट द्वारा थाना पूंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को अवैध देशी पिस्तौल व एक कारतूस सहित काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव युनिट प्रभारी एसआई रमेश की अगुवाई में एएसआई तरसेम सिंह की टीम को शाम के समय गश्त दौरान गुप्त सूचना मिली कि नहर पुल ढांड रोड़ पूंडरी पर करोड़ा निवासी राकेश किसी व्हीकल या किसी व्यक्ति के इंतजार में खड़ा है, जो कि वह हत्या के प्रयास के कई मुकदमो में जेल भी जा चुका है तथा अभी जमानत पर आया हुआ है। जो राकेश अपने साथ अवैध देशी पिस्तौल लिए हुए है।

क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन शॉपिंग कर १.८५ लाख रुपये की ठगी

- पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

महर्षि संस्कृत विश्वविद्यालय के एक कर्मचारी से क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन शॉपिंग कर दो लाख 85 हजार 324 रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में कर्मचारी ने साइबर थाने में शिकायत दी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। साइबर थाने में दी शिकायत में गांव क्योड़क निवासी संजीव कुमार ने बताया कि वह कौशल निगम के माध्यम से महर्षि वाल्मीकि संस्कृत विश्वविद्यालय में काम करता है। उसके पास एसबीआई बैंक का मास्टर क्रेडिट कार्ड है। 10 मई को उसे फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म पर 95 हजार 108 रुपए कटने के तीन मैसेज मिले। उसने अपना फोन स्विच ऑफ कर दिया। जब उसने फोन ऑन किया तो पता चला कि फ्लिपकार्ट प्लेटफॉर्म पर उसके क्रेडिट से दो लाख 85 हजार 324 रुपये खर्च होने के मैसेज आए हैं। उसने अपने कार्ड की डिटेल व ओटीपी भी किसी के साथ शेयर नहीं किए, फिर भी रुपए कट गए। शिकायतकर्ता ने कहा कि किसी अज्ञात आरोपी ने उसके क्रेडिट कार्ड के जरिए शॉपिंग कर ली। ऐसा करके उसके साथ धोखाधड़ी की गई है।

ऐलान स्मार्ट सिटी मॉडल के आधार पर योजनाएं तैयार की जाएंगी

नगरपालिका बनते ही फतेहपुर को प्रदेश का सबसे सुंदर शहर बना दूंगा : विधायक

स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पूंडरी

हरियाणा के प्रगतिशील नेतृत्व की कड़ी में एक और बुलंद आवाज गूंज रही है। विधायक सतपाल जांबा ने अपने क्षेत्रवासियों के लिए एक बड़ा और साहसिक ऐलान करते हुए कहा है कि एक बार फतेहपुर को नगर पालिका का दर्जा मिल जाए, उसके बाद इसे प्रदेश का सबसे सुंदर और विकसित शहर बना दूंगा। विधायक जांबा ने यह घोषणा करते हुए यह भी स्पष्ट किया कि उनके पास फतेहपुर के लिए न केवल योजनाएं हैं, बल्कि दृढ़ इच्छाशक्ति, संसाधनों की समझ और क्रियान्वयन की गति भी है। उन्होंने कहा कि नगरपालिका बनते ही यहां की बुनियादी सुविधाएं जैसे सड़क, जल निकासी, स्वच्छता, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य सेवाएं, पार्क और आधुनिक बाजार को नए मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी वादा किया कि विकास की इस प्रक्रिया में स्थानीय जनता की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। हम फतेहपुर को केवल ईंट-पत्थरों का सुंदर शहर नहीं बनाएंगे, बल्कि इसे सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से भी समृद्ध करेंगे। विधायक ने यह भी संकेत दिया कि नगर पालिका का दर्जा मिलने के बाद स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। स्मार्ट सिटी मॉडल के आधार पर योजनाएं तैयार की जाएंगी, जिससे फतेहपुर न केवल हरियाणा बल्कि उत्तर भारत के मानचित्र पर एक आदर्श शहर के रूप में उभर सके। मौके पर मौजूद ग्रामीण इस उम्मीद से भर गए हैं कि वर्षों से लंबित विकास कार्य अब गति पकड़ेंगे और उनका क्षेत्र आधुनिकता के नए आयाम छुएगा। ग्रामीणों ने उम्मीद जताई कि यदि यह घोषणा हकीकत में बदलती है, तो फतेहपुर आने वाले वर्षों में हरियाणा के नक्शे पर विकास और सुंदरता का नया उदाहरण बन सकता है।

गांव फतेहपुर में ग्रामीणों को संबोधित करते विधायक सतपाल जांबा।

नाबालिग लड़के की बारात चढ़ने से रोकी

- लड़के के जन्म संबंधित कागजों में युवक निकला नाबालिग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बाल विवाह निषेध अधिकारी कार्यालय टीम ने अपनी सतर्कता से एक कम उम्र के लड़के को दूल्हा बनने से रोक दिया। टीम ने नाबालिग की शादी को रूकवाया और साथ ही परिजनों को विवाह न करने के लिए चेताया। शनिवार को बाल विवाह निषेध अधिकारी सुनीता को सूचना मिली थी कि जिले के रोहतक रोड पर एक नाबालिग लड़के की शादी की तैयारी हो रही है और लड़के की बारात हिसार जिले के नारनौद जाने के लिए तैयार खड़ी है। कार्रवाई करते रवि लोहान, मुख्य सिपाही ओमप्रकाश, महिला सिपाही आरती, नीलम के साथ मौके पर विवाह स्थल पर पहुंचे। लड़के के परिवार वालों से लड़के के जन्म से संबंधित कागजात मांगे तो परिजनों ने पहले तो टाल मटोल करने की कोशिश की और शादी ना होने की बात कही लेकिन जब मौके पर अन्य मौजिज व्यक्तियों को बुलाया गया तो दो घंटे के बाद जो सबूत दिखाए गए उसमें लड़के की उम्र 21 वर्ष से कम मिली।

खबर संक्षेप

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर किया जागरूक

जींद। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मोनिका की अध्यक्षता में एडीआर के सभागार में विश्व तम्बाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अधिवक्ता देवराज मलिक ने उपस्थित पैनल अधिवक्ता व न्याय मित्रों को संबोधित करते कहा कि इस वर्ष की थीम बच्चों को तम्बाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना रही।

जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में मासिक बैठक आज

जींद। जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र के प्रधान डा. कृष्ण श्योकंद ने बताया कि एक जून को जाट धर्मशाला कुरुक्षेत्र में मासिक बैठक बुलाई गई है। जाट सभा कुरुक्षेत्र कार्यकारिणी के सदस्य एवं जाट समाज के लोगों को मीटिंग में आमंत्रित किया गया है। मीटिंग में जाट धर्मशाला के विकास को लेकर विस्तार से विचार.विमर्श किया जाएगा।

संदिग्ध हालात में युवती लापता, शिकायत दर्ज

जींद। गांव सरनाखेड़ी से युवती के गायब होने पर सदर थाना सफीदों पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। सरनाखेड़ी निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात उसकी बेटी घर से गायब हो गई। पूछताछ करने पर उसकी बेटी का कोई सुराग नही लगा। सदर थाना सफीदों पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

रंजिशन हमला करने पर दो के खिलाफ मामला दर्ज

जींद। गांव कलौदा कलां में रंजिशन हमला कर तीन लोगों को घायल करने पर सदर थाना नरवाना पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गांव कलौदा कलां निवासी राममेहर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका बेटा अनिल खेत में काम कर रहा है। उसी दौरान मनोज तथा पवन ने हमला कर उसके बेटे को घायल कर दिया।

सरकारी औषधालय से इन्वर्टर तथा बैट्री चोरी

जींद। गांव करेला में बीती रात चोरो ने आयुर्वेदिक केंद्र का ताला तोड़ कर इन्वर्टर व बैट्री को चोरी कर लिया। जुलाना थाना पुलिस ने शिकायत के आधार पर चोरी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव करेला आयुर्वेदिक केंद्र के एएमओ डा. रविकांत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि बीती रात चोरों ने केंद्र का ताला तोड़ कर इन्वर्टर- बैट्री को चोरी कर लिया।

स्कूलों के टॉपर्स को किया सम्मानित

जींद। सामाजिक संस्था राह ग्रुप फाउंडेशन के तत्वावधान में नरवाना के 12 प्राइवेट व सरकारी स्कूलों के 10वीं एवं 12वीं के टॉपर्स को अवार्ड ऑफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों को उनकी क्षमता के अनुसार कैश अवार्ड, ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस सम्मान समारोह की अध्यक्षता राह क्लब नरवाना के अध्यक्ष डा. प्रदीप नैन व उपाध्यक्ष रानी कौशिक ने संयुक्त रुप से की जबकि मुख्यअतिथि के रुप में राह संस्था के चेयरमैन नरेश सेलपाड़ मौजूद रहे।

सब जूनियर रोइंग नेशनल गेम्स में जीता गोल्ड

जींद। हैदराबाद में आयोजित 26वें सब जूनियर रोइंग नेशनल गेम्स में हैबतपुर के रोइंग खिलाडिय़ों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। लडक़ों की टीम में शौर्य महलान, दीपेश यादव, यश यादव व चिंटू ने गोल्ड मेडल हासिल किया। वहीं अक्षयए अंशु गोयतए आर्यन और दिशांत ने सिल्वर मेडल हासिल किया।

14 तक कराएं अपना आधार कार्ड अपडेट

जींद। डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि सरकारी योजनाओं का लाभ लेने में आधार कार्ड एक अहम दस्तावेज है। दस साल पुराने आधार कार्ड को अपडेट कराना जरूरी है। आधार कार्ड को अपडेट करवाने की अंतिम तिथि 14 जून तक है। नागरिक स्वयं भी यूआईडीएआई वेबसाइट पर जाकर आधार कार्ड अपडेट कर सकते हैं।

सीएमओ डा. सुमन कोहली के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने जिले में मनाया विश्व तंबाकू निषेध दिवस

धूम्रपान से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति रहें जागरूक : डॉ. भोला

शिक्षण संस्थानों के पास तंबाकू पदार्थ बेचना अपराध : डॉ. रमेश पांचाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

सीएमओ डा. सुमन कोहली के दिशा-निर्देशानुसार शनिवार को स्वास्थ्य विभाग ने विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सिविल सर्जन डा. सुमन कोहली ने मुख्यतिथि के रूप में शिरकत की। जबकि डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला, डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल, सीनियर डेंटल सर्जन डा. दिनेश गुप्ता, डा. पूनम मान, डा. पोरस मौजूद रहे। कार्यक्रम में सभी को धुम्रपान न करने की शपथ दिलाई गई। सीएमओ डा. सुमन कोहली ने कहा कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस प्रति वर्ष 31 मई को मनाया जाता है। आशा वर्कर्स का संपर्क गांव व शहर में गर्भवती महिलाओं, महिलाओं, बच्चों से ज्यादा रहता है तो आप इस अभियान को सफल बनाने में अहम योगदान दे सकते हो। आप द्वारा अपने एरिया में नो स्मोकिंग अभियान के बारे में आमजन को जागरूक किया जाना है। क्योंकि इसका सीधा प्रभाव गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं व बच्चों के स्वास्थ्य पर होता है। डिप्टी एमएस डा. राजेश भोला ने कहा कि हर साल विश्व तंबाकू निषेध दिवस को एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। साल 2025 में तंबाकू निषेध दिवस की थीम है क्या आप बीमारियों भरी जिंदगी एवं दर्दनाक मौत चाहोगे। बच्चों को तंबाकू उद्योग के हस्तक्षेप से बचाना। इस दिवस का मकसद लोगों को तंबाकू से होने वाले खतरों के बारे में बताना और जागरूक करना है। दुनियाभर में हर साल लाखों लोगों की मौत तंबाकू सेवन से हो जाती है। इस दिवस का महत्व और उद्देश्य लोगों को खासतौर पर युवाओं को तंबाकू से होने वाले नुकसान से बचाना और उन्हें इस बारे में शिक्षित करना है। आजकल कुछ युवाओं में तम्बाकू उत्पाद जर्दा, खैनी चबाने का चलन भी बढ़ रहा है। जिसके कारण मुंह में छाले आदि बने रहते हैं। जोकि जल्द ही मुंह व गले के कैंसर का कारण बनती है।

जींद। धुम्रपान न करने की शपथ दिलाते हुए। फोटो :हरिभूमि

धुम्रपान करना गैर कानूनी

डिप्टी सीएमओ डा. रमेश पांचाल ने कहा कि तंबाकू व धुम्रपान से गले का कैंसर, मुंह का कैंसर, फेफडों का कैंसर व हृदय रोग जैसी घातक बीमारियों की ज्यादा संभावना रहती है। बीड़ी, सिगरेट, तंबाकू तथा हुक्के का सेवन खतरनाक होता है। धुम्रपान करने वाला व्यक्ति, जिसको कि फस्ट हैंड स्मोकिंग भी कहा जाता है वह अपने स्वास्थ्य का नुकसान तो करता ही है साथ ही आसपास के लोगों जिसको कि सेकेंड हैंड स्मोकिंग भी कहा जाता है, उनके स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव डालता है। धुम्रपान वायु प्रदूषण का भी मुख्य कारण बनता है। सार्वजनिक स्थानों जैसे कि स्कूल, कॉलेज, शिक्षण संस्थान, अस्पताल, सचिवालय, कोर्ट परिसर आदि पर धुम्रपान पूर्णतया वर्जित है। ऐसे स्थानों पर धुम्रपान करते पकड़े जाने पर 200 रुपये जुर्माने का प्रावधान है। शिक्षण संस्थानों के 100 मीटर दायरे में तंबाकू, बीड़ी व सिगरेट, गुटखा, खैनी, जर्दा या कोई भी नशीले उत्पाद बेचना व धुम्रपान करना गैर कानूनी है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा समय समय पर जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहता है।

जींद। ग्रामीणों को जागरूक करते स्वास्थ्य कर्मी। फोटो :हरिभूमि

गांव जाजवान में मनाया विश्व तम्बाकू निषेध दिवस

जींद। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दरियावाला के अधीन जाजवान गांव में स्वास्थ्य कर्मियों ने विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया। बहुउद्देश्यीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता सुशील शर्मा ने गांव में नुक्कड सभाएं करते हुए कहा कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को तम्बाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक करना है। पूरे विश्व के लोगों को तम्बाकू मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिए तथा सभी स्वास्थ्य खतरों से बचाने के लिए तम्बाकू चबाने या धूम्रपान के सेवन से होने वाली सभी परेशानियों और स्वास्थ्य जटिलताओं से लोगों को आसानी से जागरूक बनाने के लिए पूरे विश्वभर में एक कार्यक्रम के रूप में मनाने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा विश्व तम्बाकू निषेध दिवस को मनाना आरम्भ किया था जोकि हर वर्ष 31 मई को मनाया जाता है। शर्मा ने बताया कि तंबाकू के सेवन की आदत बहुत ही हानिकारक है जोकि जानलेवा है। तम्बाकू के सेवन से फेफड़ों समन्धित बीमारियां ए विभिन प्रकार के कैंसरए हृदय घात एस्वशन सम्बन्धी बीमारियांए एसिडिटी आदि समस्या होती है।

धूम्रपान मुक्त जीवन ही सुखी : नरेश जागलान

जींद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जींद के सौजन्य विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नई सोच नशा मुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस का थीम है तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करना रहा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य एवं मनोवैज्ञानिक नरेश जागलान ने बताया कि इस दिन का मुख्य उद्देश्य धूम्रपान के हानिकारक प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाना और लोगों को इसे छोडने के लिए प्रेरित करना है। यह दिन एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और तंबाकू की लत से छुटकारा पाने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है। तंबाकू से हर साल दुनिया में 80 लाख से ज्यादा लोगों की मौत होती है। यह दिन तंबाकू और उससे जुड़ी बीमारियों जैसे कैंसरए हृदय रोगए स्ट्रोकए फेफड़ों संबंधित बीमारियां आदि के खतरे के बारे में जागरूकता फैलाना है। खासकर युवाओं और बच्चों को तंबाकू से दूर रहने का संदेश देता है।

जींद। तंबाकु को लेकर जागरूक करते डा. विकास फौगाट। फोटो :हरिभूमि

भारत में तंबाकू का सेवन बहुत बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट : फौगाट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

आशीर्वाद अस्पताल में शनिवार को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में मनोचिकित्सक डा. विकास फौगाट ने नशामुक्ति, तंबाकू रोकथाम के लिए हैल्पलाइन 8950051145, 01681-249999 शुरु की गई है। इसमें विभिन्न प्रकार की चिकित्सीय सहायता, परामर्श, काउंसलिंग की सुविधा है। डा. विकास फौगाट ने बताया कि इस वर्ष की थीम चमकीले उत्पाद, गहरे इरादे, तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति का पर्दाफाश करना है। यह थीम तंबाकू और निकोटीन उद्योगों द्वारा अपने असुरक्षित उत्पादों को आकर्षक बनाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली भ्रामक तकनीकों को उजागर करने और चुनौती देने पर केंद्रित है, खासकर युवाओं के लिए। डा. विकास फौगाट के अनुसार भारत में तंबाकू का सेवन एक बहुत बड़ा सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट है। जिससे बीमारीए मृत्यु और आर्थिक लागत के रूप में भारी बोझ पड़ता है। भारत विश्व स्तर पर तंबाकू का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता और उत्पादक है। जहां धूम्रपान, गुटखा, तंबाकू युक्त पान मसाला, जर्दा जैसे विभिन्न उत्पादों का सेवन किया जाता है। तंबाकू का उपयोग भारत में मृत्यु और बीमारी के प्रमुख कारणों में से एक है। जिससे हर साल लगभग 13.5 लाख से अधिक मौतें होती हैं। इसके अलावा इसके उपयोग से कैंसर जैसी गंभीर बीमारियां होती हैं। आज युवाओं में तंबाकू का उपयोग भी एक चिंता का विषय है।

किसान और वैज्ञानिक एक दूसरे के पूरक

जींद। कृषि विज्ञान केंद्र पांडु पिंडारा एवं कृषि एवं किसान कल्याण विभाग द्वारा शनिवार को विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत सुरबरा, डोहाना खेड़ा व मंगलपुर गांवों में किसानों से संवाद किया। प्रभारी डा. रामकरण गौड ने बताया कि किसान वर्ग के कल्याणार्थ एवं उनकी समस्याओं को जानने व उनके निदान के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। किसान और वैज्ञानिक एक दूसरे के पूरक हैं। जहां किसान वहीं वैज्ञानिक होते हैं तथा कृषि क्षेत्र में दोनों का महत्व है। इस अभियान के लिए जिले में तीन टीमें गठित की गई हैं। कार्यक्रम के तहत पहली टीम में शामिल भारतीय परिषद कृषि अनुसंधान, नई दिल्ली से डा. अश्विनी कुमार, डा. भास्कर, डा. जोगेंद्र, डा. राजेश मौसम वैज्ञानिक, सुरेंद्र मितल, पशुपालन एवं डेयरी विभाग से डा. नवीन पशु चिकत्सक, ब्लॉक विकास अधिकारी डा. भूपेन्द्र, मंगलपुर के सरपंच सुनील कुमार, सुरबरा के सरपंच राममेहर शामिल रहे। उन्होंने धान में बीजोपचार का महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि 10 लीटर पानी में 10 ग्राम कार्बेन्डाजिम व एक ग्राम स्ट्रेप्टोसाईक्लिन घोल लें।

ईंटल कलां व गोविंदपुरा में किसानों को विविध जानकारी देते कृषि विशेषज्ञ।

तहसील कार्यालय में मॉक ड्रिल के दौरान सीपीआर की जानकारी देते डा. कुंज बिहारी।

आपातकाल में घबराएं नहीः सिंह

जुलाना। जुलाना कस्बे के तहसील कार्यालय में आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जुलाना एसडीएम होशियार सिंह ने कहा कि किसी भी प्रकार की आपदा के दौरान आमजन की जानमाल की सुरक्षा में हर नागरिक की बहुत बड़ी भूमिका होती है। दो देशों की लड़ाई के दौरान सीमाओं पर सेना हमारी रक्षा करती है और देश के आंतरिक हिस्सों में प्रशासनिक अमले के साथ में सिविल डिफेंस वालंटियर हमारी मदद करते हैं। एसडीएम ने कहा कि आपदा प्राकृतिक या मानव निर्मित किसी भी प्रकार की हो सकती है। दोनों ही हालातों में हमें अपनी जान माल की सुरक्षा करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि युवाओं को आपदा के समय समाज सेवा के लिए तैयार रहना चाहिए। अपने आसपास यदि कोई असुरक्षित महसूस कर रहा हो तो उसका जीवन बचाने में मदद करनी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग से डा. कुंज बिहारी ने आपदा के समय जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जानकारी दी। बताया कि किस प्रकार से हम घायल बेहोश या जख्मी व्यक्ति की सांस चलने के बारे में पता लगा सकते हैं।

कमलजीत ने मुक्केबाजी में जीता रजत

जींद। सुप्रीम सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्र कमलजीत ने हाल ही में नरवाना में आयोजित राज्य स्तर की मुक्केबाजी चैंपियनशिप में दूसरी पोजीशन प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस चैंपियनशिप में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कमलजीत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। विद्यालय के प्रधानाचार्य सतेंद्र त्रिपाठी ने कमलजीत की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि विद्यालय के लिए गर्व की बात है। विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष डा. डीपी जैन, उपाध्यक्ष बलवान कौशिक और निदेशक शरत अत्री ने कमलजीत को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कमलजीत की इस उपलब्धि ने अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है।

जींद। कमलजीत को सम्मानित करते हुए। फोटो :हरिभूमि

प्रोफेसर डा. अंजू रानी शर्मा को सम्मानित करते प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा।

सरकार ने जारी किया ये आदेश

सफीदों। सफीदों नगर के राजकीय पीजी कॉलेज में एक कार्यक्रम आयोजित करके संगीत विभागाध्यक्ष प्रोफेसर डा. अंजू रानी शर्मा को उनके शैक्षिक योगदान के लिए एक्सीलेंट प्राध्यापिका के सम्मान से नवाजा गया। महाविद्यालय की प्राचार्या डा. तनाशा हुड्डा ने डा. अंजू रानी शर्मा को प्रशस्ति पत्र देकर अभिनंदन किया। डा. तनाशा हुड्डा ने उनके शिक्षण क्षेत्र में किए गए बेहतरीन प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि डा. अंजू रानी शर्मा न केवल विद्यार्थियों में संगीत के प्रति रुचि जागृत की बल्कि वे एक आदर्श शिक्षिका के रूप में पूरे महाविद्यालय के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। प्रो. बलविंद्र, डा. जयविंद्र, प्रदीप मान, डा. शील आर्या सहित अन्य मौजूद रहे।

अलेवा। पीएचसी नगूरां में आशा वर्कर्स को डेंगू तथा मलेरिया के प्रति जागरूक करते स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा। फोटो :हरिभूमि

डेंगू से बचाव के लिए सफाई जरूरी

अलेवा। डेंगू तथा मलेरिया के खात्मे के लिए शनिवार को नगूरां पीएचसी पर स्वास्थ्य कर्मचारियों तथा आशा वर्करों की बैठक ली। बैठक की अध्यक्षता स्वास्थ्य निरीक्षक नरेंद्र ढांडा व ब्लॉक आशा कोर्डिनेटर सरिता ने की। इस दौरान आशा वर्करों तथा कर्मचारियों को निर्देश देते हुए स्वास्थ्य निरीक्षक ने कहा कि दो जून से विभिन्न गांव नगूरां, चांदपुर, हसनपुर, दिल्लूवाला, मांडी खुर्द, दालमवाला में रेपिड फीवर मास सर्वे अभियान चलाया जाएगा। जिससे स्वास्थ्य कर्मचारी तथा आशा वर्कर टीम बनाकर घर.घर लोगों के होदी.कूलरए टंकी, फ्रीज की ट्रे, गमले, टायर, पक्षियों के पीने के पानी के कटोरों आदि में लारवा की जांच करेगी। इसके अलावा सभी टीमों को बुखार संभावित लोगों की रक्त पट्टिकाएं बनाने के निर्देश दिए।

मंत्री ने नेशनल हाइवे का किया दौरा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नरवाना

हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने अधिकारियों की टीम के साथ नरवाना शहर में नेशनल हाईवे तथा धन्ना भगत चौक का दौरा किया। मौका मुआयना के दौरान सीवरेज एवं सफाई संबंधी समस्याओं पर कैबिनेट मंत्री ने कड़ा संज्ञान लिया और संबंधित अधिकारियों को फौरी तौर पर समस्याओं के निदान करने के लिए सख्त निर्देश दिए। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री बेदी के साथ एसडीएम जगदीश चंद्र ईओ नगर परिषद प्रभारी एनएचएआईए जन स्वास्थ्य तथा बिजली विभाग के अधिकारी विशेष तौर पर मौजूद रहे। कैबिनेट मंत्री श्री बेदी ने हिसार रोड से पुराना बस स्टैंड का निरीक्षण किया और रोड़ पर नालों की सफाई न होनेए चौराहों पर स्थापित लाइट्स सही तरीके से काम न करनेए फुटपाथ पर लगी ग्रीलों की जर्जर हालात पर नाराजगी की जताई। इन सभी समस्याओं के समाधान के लिए एनएचएआई के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि एक सप्ताह के अंदर सभी कार्य करवाए जाएं। साथ ही कहा कि इस मामले में लापरवाही बिल्कुल बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कैबिनेट मंत्री बेदी ने तत्पश्चात धन्ना भगत चौक का भी दौरा किया और वहां पर जन स्वास्थ्य विभाग की पाइपलाइन के लीकेज होने पर कड़ी आपत्ति जताई।

नरवाना। अधिकारियों के साथ दौरा करते मंत्री बेदी। फोटो :हरिभूमि

जींद। पीटीएम में भाग लेते अभिभावक। फोटो :हरिभूमि

रा. प्राइमरी विद्यालयों में पीटीएम

जींद। सभी 424 राजकीय प्राइमरी विद्यालयों में शनिवार को अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) का आयोजन होगा। पीटीएम के दौरान एक जून से शुरू हो रहे ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान दिए जाने वाले गृह कार्य को लेकर विचार विमर्श किया गया। इसकेअलावा पीटीएम में विद्यार्थियों की कमियों को दूर करने के लिए शिक्षक अभिभावकों के साथ विचार सांझा किए। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी डा. सुभाष वर्मा ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए शिक्षक-अभिभावक बैठक करने का निर्णय लिया गया है। बैठक में अभिभावकों को छात्र के प्रदर्शन के बारे में बताया जाता है। पीटीएम में शिक्षक बच्चों के अभिभावकों को उनकी पढ़ाई के स्तर की रिपोर्ट कार्ड के माध्यम से जानकारी दी जाती है कि बच्चा किस विषय में होशियार है और किसमें कमजोर है। पीटीएम का मुख्य उद्देश्य है कि विद्यार्थियों की कमियों को दूर कर उन्हें हर विषय में दक्ष बनाया जा सके। विभाग का मानना है कि माता-पिता और शिक्षक विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए दो महत्वपूर्ण स्तंभ हैं।

यदुवंशी शिक्षा निकेतन में हर्षोल्लास से मनाया गया ग्रैंडपेरेंट्स डे

बुजुर्गों की सेवा करना हमारा धर्मः बहादुर सिंह

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर में ग्रैंडपेरेंट्स डे का आयोजन हर्षोल्लास और गरिमापूर्ण वातावरण में किया गया। इस विशेष अवसर पर यदुवंशी ग्रुप ऑफ स्कूल्स के चेयरमैन राव बहादुर सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। चेयरमेन राव बहादुर सिंह ने विद्यार्थियों को अपने माता-पिता व दादा-दादी का सम्मान करने और सदैव उनकी आज्ञा का पालन करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि बड़ों की सेवा करना हमारा धर्म है और उनके अनुभवों से हमें जीवन में दिशा मिलती है। इस आयोजन में विद्यालय के सभी विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी भावनाओं को गीत, कविता, नाटक और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से व्यक्त किया। उन्होंने अपने माता-पिता व दादा-दादी उनके प्रति अपने प्रेम व आदर को प्रकट किया। कार्यक्रम की विशेषता रही विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत हरियाणवी संस्कृति की झलक, जिसमें पारंपरिक नृत्य, लोकगीत और क्षेत्रीय पहनावे के माध्यम से हरियाणा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर किया गया। सांस्कृतिक गतिविधियों पर विशेष बल देते हुए छात्रों ने यह सिद्ध किया कि वे अपनी जड़ों से जुड़े हुए हैं। यह कार्यक्रम न सिर्फ विद्यार्थियों के लिए एक शिक्षाप्रद अनुभव रहा बल्कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान और पारिवारिक मूल्यों को सहेजने की दिशा में एक सराहनीय पहल भी सिद्ध हुआ। यदुवंशी शिक्षा निकेतन बीबीपुर में आयोजित ग्रैंडपेरेंट्स डे कार्यक्रम में विद्यार्थियों के सभी दादा-दादी और नाना-नानी ने बड़े उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष और यादगार बना दिया। बुजुर्गों ने न केवल बच्चों की प्रस्तुतियों का आनंद लिया बल्कि स्वयं भी विभिन्न गतिविधियों में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए ग्रैंड पेरेंटस। फोटो :हरिभूमि

बुजुर्ग हमारे परिवार की जड़ेंः जतिन

प्रधानाचार्य जतिन कथूरिया का विचार ग्रैंडपेरेंट्स डे पर दादा, दादी और नाना, नानी हमारे परिवार की जड़ें होते हैं। जिनसे हमें संस्कार, अनुभव और असीम प्रेम प्राप्त होता है। ग्रैंडपेरेंट्स डे न केवल एक अवसर है उन्हें सम्मान देने काए बल्कि यह दिन हमें यह भी याद दिलाता है कि उनका साथ हमारे जीवन का सबसे अनमोल उपहार है। आज के कार्यक्रम में बच्चों ने जिस भाव और श्रद्धा से अपने बुजुर्गों के प्रति प्रेम प्रकट किया, वह अत्यंत सराहनीय है। हमारी भारतीय संस्कृति में बड़ों का आदर करना, उनके अनुभवों से सीखना और उनकी सेवा करना हमारे जीवन के मूल मूल्य हैं।

जींद। गांव गुलकनी स्थित शहीद स्मारक। फोटो :हरिभूमि

भाकियू आज मनाएगी शहीदी दिवस

जींद। भारतीय किसान यूनियन एक जून को गांव गुलकनी में 23वां शहीदी दिवस मनाएगी। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भी इस कार्यक्रम में पहुंचेगे और उनके साथ में भाकियू के राष्ट्रीय महासचिव युद्धवीर सिंह व प्रदेशाध्यक्ष रत्नमान भी पहुंचेगे। भारतीय किसान यूनियन के जिला प्रैस प्रवक्ता रामराजी ढुल पोंकरीखेड़ी ने बताया कि गुलकनी में किसान शहीद स्मारक पर सुबह आठ बजे हवन होगा। उसके बाद सरकारी स्कूल में शोक सभा का आयोजन होगा। जिसमें प्रदेश के हर जिलों से हजारों की संख्या में किसान शोकसभा में पहुंचेगे। ढुल ने बताया कि बिजली के बिलों को लेकर प्रदेशभर में सन 1992 से बिजली आंदोलन चला हुआ था। इसी को लेकर सन 2002 में गांव गुलकनी के पास भाकियू के कार्यकर्ता रोड़ पर धरना दे रहे थे। जिला प्रशासन ने बिना कोई सूचना दिए किसानों पर गोली चलवा दी।

खबर संक्षेप

किसानों को उचित मूल्य सब्सिडी-कर्ज से मुक्ति दे

राजौंद। भारतीय किसान मजदूर कमेरा वर्ग यूनियन के पदाधिकारी गांव जाखौली में मनीराम मलिक के घर पहुंचे। प्रदेश अध्यक्ष महावीर चहल नरड़ ने कहा कि सरकार ने महंगाई के दौर में 14 फसलों पर मात्र 3 प्रतिशत बढ़ोतरी की गई है जो किसानों के साथ भद्दा मजाक है। चहल ने कहा कि सरकार किसानों को उचित मूल्य सब्सिडी और कर्ज से मुक्ति दे ताकि अन्नदाता को कुछ राहत मिल सके। युवा प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र मागो माजरी ने कहा कि फसलों के रेट में तीन प्रतिशत बढ़ोतरी करना आसमान छू रही महंगाई के सामने मात्र ऊंट के मुंह में जीरा देने वाली बात है। इस मौके पर जिला अध्यक्ष बलकार मलिक खुराना कृष्ण मालखेड़ी सुरेंद्र प्यौदा डीसी चहल, बिन्दर गिल सिरटा विक्रम चहल जोगिंद्र कुंडू सुरेश नरड़ जोरा भैनी माजरा आदि किसान मौजूद रहे।

अश्लील वीडियो वायरल करने पर मामला दर्ज

जींद। महिला की अश्लील वीडियो तथा फोटो सोशल मीडिया पर वायरल करने पर गढ़ी थाना पुलिस ने एक युवक के खिलाफ आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गढ़ी थाना इलाके की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गांव के ही मोनू ने उसकी अश्लील वीडियो तथा फोटो बना कर उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। जब उसने विरोध किया तो आरोपित ने उसे बुरा अंजाम भुगतने की धमकी दी। गढ़ी थाना पुलिस ने महिला की शिकायत पर मोनू के खिलाफ आईटी एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीनियर सिटीजन वैलफेयर सोसाइटी की बैठक आज

कैथल। सीनियर सिटीजन वैलफेयर सोसाइटी कैथल की मासिक बैठक प्रधान नरेंद्र निझावन जी व मुख्य संरक्षक महेश दुआ जी की अध्यक्षता में रविवार को सांय ठीक 4:30 बजे मदनलाल ढींगरा स्मारक स्थित पंजाबी वैलफेयर सभा के सभागार में आयोजित होगी। बैठक के बारे में जानकारी देते हुए महासचिव धन सचदेवा ने बताया कि इस बैठक में जून माह में जन्मे वरिष्ठ साथियों के जन्मदिन हर्षोल्लास पूर्वक मनाए जाएंगे तथा वरिष्ठ नागरिकों को दिनचर्या में आने वाली पारिवारिक सामाजिक व प्रशासनिक समस्याओं पर चर्चा की जाएगी। सभी सम्मानित वरिष्ठ साथियों से करबद्ध प्रार्थना है कि कृपा बैठक में समय से पहुंचकर अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें

अश्लील हरकत करने का आरोपित गिरफ्तार

जींद। गढ़ी थाना इलाका गांव में दत्तक बेटी के साथ अश्लील हरकत करने तथा विरोध करने पर मां व बेटी के साथ मारपीट करने के आरोपित सौतेले पिता को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। गढ़ी थाना इलाके की एक महिला ने गत 28 मई को पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि उसके पति की लगभग आठ साल पहले मौत हो गई थी। जिससे उसके तीन बच्चे हैं। बड़ी लड़की की उम्र लगभग 13 साल है। पति की मौत के बाद उसका पल्ला रिश्ते के देवर संदीप को दे दिया। गत 21 मई देर रात को संदीप ने उसकी बड़ी बेटी के साथ अश्लील हरकत शुरू कर दी। जिस पर उसकी बेटी ने शोर मचाया तो वह भी जाग गई। आरोपित संदीप उस समय घर से भाग गया। जिस पर उसने बेटी के साथ हुई हरकत के बारे में अपनी सास को बताया। सास ने इज्जत का हवाला देते हुए चुप रहने को कहा। घटना के बाद उसकी सास ने फोन कर संदीप को घर बुला लिया। जिस पर आरोपित ने घर आने के बाद उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब उसकी बड़ी बेटी ने बचाने की कोशिश की तो उसके साथ भी मारपीट की गई।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

छात्रों और शिक्षकों को तम्बाकू का सेवन न करने की शपथ दिलवाई

तंबाकू के सेवन से दिल की धड़कनें और ब्लड प्रेशर तेज

कैथल। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन में आहुति अर्पित करते शहरवासी।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

हर वर्ष 31 मई मनाए जाने वाले विश्व तंबाकू निषेध दिवस के मौके पर उपमंडल नागरिक हस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ0 राजीव मित्तल के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की ओर से नशा मुक्त भारत बनाने एवं नशे के दुष्प्रभावों पर सभी उप स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के स्तर पर सेमिनारों, गोष्ठियों एवं वक्तव्यों जैसे विभिन्न माध्यमों के जरिए जागरूकता अभियान चलाया गया।

इसी कड़ी में संस्था के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर हिमांशु के नेतृत्व में एक टीम द्वारा राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दौरा कर छात्रों और अध्यापकों को सम्बोधित किया गया। डॉ. हिमांशु ने अपने प्रेरक सम्बोधन में मानव जीवन में तंबाकू के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि तम्बाकू के सेवन से हमारा शरीर दमा, टीबी, कैंसर जैसी अनेक तरह की खतरनाक बीमारियों की चपेट में आ जाता है। इसलिए तम्बाकू जानलेवा है, इसे आज ही छोड़ दें अन्यथा पछताने के सिवा कुछ नहीं बचेगा। तंबाकू के सेवन से दिल की धड़कनें और ब्लड प्रेशर तेज हो जाता है जिससे घबराहट होने लगती है। खून के संचार में रुकावट पैदा होने लगती है और फेफड़े ठीक ढंग से काम नहीं कर पाते। खांसी, थकान और सांस टूटने/फूलने की समस्या पैदा हो जाती है। हार्ट अटैक यानि दिल के दौरे का खतरा बढ़ जाता है। मुंह, गले, भोजन नली और ब्लैडर आदि में कैंसर होने का खतरा पैदा हो जाता है।

इसलिए तंबाकू या तम्बाकू उत्पादों का सेवन न तो खुद करें और ने ही दूसरों को करने दे। स्वास्थ्य कर्मी रणदीप सिंह व श्यामसुन्दर ने सभी उपस्थित छात्रों एवं शिक्षकों को किसी भी तरह के तम्बाकू सेवन न करने की शपथ भी दिलवाई। साथ आह्वान किया कि अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए जिंदगी चुने, तम्बाकू नहीं। फार्मासिस्ट राहुल शर्मा और स्वास्थ्य कार्यकर्ता देवीरानी ने बताया कि तम्बाकू के सेवन से न केवल रूपए-पैसे की हानि होती है बल्कि शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य और चरित्र का भी विनाश होता है।

इसलिए इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों, युवाओं और पूरे समाज को नशे से दूर रहते हुए एक स्वस्थ राष्ट्र निर्माण की दिशा में आगे बढ़ना है। इस मौके पर प्रधानाचार्य द्वारा स्वास्थ्य विभाग की टीम का धन्यवाद किया गया और साथ ही तंबाकू एवं उनसे संबंधित किसी भी उत्पाद का सेवन नहीं करने बारे भी प्रेरित किया।

तंबाकू निषेध दिवस मनाया

पूंडरी। डीएवी कॉलेज पूंडरी में तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर एक दिवसीय हवन यज्ञ एवं योग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ कॉलेज के कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान और शहरवासियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हवन से किया गया। योग से स्वस्थ तन-मन का संदेश योग कार्यक्रम की अगुवाई जाने-माने योग गुरु टेकचंद सैनी ने की। उनके साथ अजीत सिंह रायका (प्रधान, स्पोर्ट्स क्लब पूंडरी), दीपा कालड़ा और पलविंद्र कौर ने भी प्रतिभागियों को योगाभ्यास करवाया। इस अवसर पर ब्लॉक समिति की चेयरपर्सन प्रतिनिधि राजेश बरसाना विशेष रूप से उपस्थित रहे। अजीत सिंह रायका ने बताया कि वे पूंडरी शहर में कई वर्षों से नियमित रूप से योग सत्र आयोजित कर रहे हैं। योग ही शरीर, मन और आत्मा को जोडनÞ का माध्यम है। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. राजेश तुरान ने जानकारी दी कि अब प्रतिदिन कॉलेज के सभागार में प्रात* 5 बजे और सायं 5-30 बजे नियमित योग अभ्यास सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिसमें कॉलेज के विद्यार्थी, स्टाफ सदस्य और शहरवासी भाग ले सकेंगे। इसी अवसर पर कॉलेज में हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार तंबाकू निषेध दिवस भी मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. तुरान ने विद्यार्थियों और स्टाफ को तंबाकू से दूर रहने की शपथ दिलाई।

तंबाकू उत्पादों सहित किसी भी नशे का सेवन नहीं करने की शपथ दिलवाई

कैथल। 31 मई विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाया जाता है ताकि विश्व का ध्यान तंबाकू की महामारी और इससे होने वाली रोकथाम योग्य मृत्यु और बीमारी की ओर ध्यान आकर्षित किया जा सके। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शनिवार की सुबह जिला सचिवालय में डीएसपी हेडक्वार्टर बीर भान द्वारा पुलिस कर्मचारियों व अधिकारियों को विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर तंबाकू उत्पादों सहित किसी भी नशे का सेवन ना करने की शपथ दिलाई गई। इसके साथ साथ सभी चौकियों में भी महिला व पुरुष कर्मचारियों द्वारा शपथ ली गई कि विश्व तंबाकू निषेध दिवस के इस अवसर पर हम यह शपथ लेते है कि जीवन में हम कभी भी किसी भी प्रकार के तंबाकू उत्पादों का सेवन नहीं करेंगे एवं अपने परिजनों या परिचितों को भी तंबाकू उत्पादों एवं किसी भी नशे का सेवन नहीं करने के लिए प्रेरित करेंगे।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया

राजौंद। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजौंद के अंतर्गत आने वाले सभी स्वास्थ्य संस्थानों एवं स्कूलों में वरिष्ठ शिक्षा अधिकारी डॉक्टर कीर्ति शर्मा की अध्यक्षता में विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों ने भाग लिया राजौंद खंड के अंतर्गत आने वाले स्कूलों में स्वास्थ्य कार्यकतार्ओं ने बच्चों को तंबाकू से होने वाले नुकसान व बीमारियों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। सीनियर सेकेंडरी स्कूल राजौंद में स्वास्थ्य निरीक्षक जितेंद्र सिंह ने बच्चों को विश्व तंबाकू दिवस पर बच्चों को तंबाकू से होने वाले रोगों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी एवं सभी बच्चों को नशे से दूर रहने की शपथ दिलाई। इस दौरान जिला विधिक विभाग की तरफ से एडवोकेट विनय गर्ग एवं सहायक मित्र संगीता रानी रामनिवास पंकज विनोद अनीता बीना दर्शना सहित कई अन्य मौजूद रहे।

खाद की किल्लत से किसान बेहाल, नारेबाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पूंडरी

डीएपी खाद न मिलने को लेकर रोष व्यक्त करते विक्रम कसाना व अन्य किसान।

किसान जो खेतों में पसीना बहाकर देश का पेट भरते हैं, आज खुद डी.ए.पी. खाद की भारी किल्लत से जूझ रहे हैं। खेतों में समय पर खाद न मिलने के कारण फसलों की बुवाई प्रभावित हो रही है और किसानों में गंभीर निराशा और आक्रोश फैल रहा है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि इस गंभीर समस्या पर कृषि विभाग के अधिकारी न केवल निष्क्रिय हैं, बल्कि पूरी तरह से लापरवाह भी दिखाई दे रहे हैं। जब इस मामले में किसानों की ओर से विभागीय अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो कृषि विभाग के एस.डी.ओ. सतीश नैहरा ने कॉल रिसीव तक नहीं की। यह रवैया किसानों के घावों पर नमक छिड़ने जैसा है। सवाल यह है कि जब जिम्मेदार अफसर ही जवाबदेही से भागने लगें, तो किसान अपनी समस्या लेकर कहाँ जाएं? इस मुद्दे पर भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के युवा प्रदेशाध्यक्ष विक्रम कसाना ने कड़ा रुख अपनाते हुए विभाग को जमकर आड़े हाथों लिया और अन्य किसानों सहित विभाग के खिलाफ रोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा किसानों के लिए डी.ए.पी. खाद की अनुपलब्धता एक आपातकाल जैसी स्थिति है।

प्रशासन की आंखों पर पट्टी

स्थानीय मंडियों व खाद वितरण केंद्रों पर लंबी-लंबी कतारें देखी जा रही हैं, परंतु अधिकांश किसानों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। किसान पहले ही महंगे डीजल, महंगी बीज और मौसम की मार से जूझ रहे हैं, अब खाद की मार ने स्थिति और भी चिंताजनक बना दी है। यदि जल्द ही डी.ए.पी. खाद की आपूर्ति बहाल नहीं की गई और विभागीय अधिकारियों ने जिम्मेदारी नहीं निभाई, तो यह मामला आंदोलन का रूप ले सकता है। किसान अब चुप नहीं बैठेंगे।

विदेश भेजने के नाम पर लाखों रुपये ठगी के अलग-अलग मामले में 2 आरोपी दबोचे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। विदेश भेजने के नाम पर ठगी करने वाले दोनों आरोपी इकनॉमिक सैल पुलिस गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

विदेश भेजने के सब्जबाग दिखाकर आमजन से ठगी करने वाले आरोपियों पर एसपी आस्था मोदी के निदेर्शानुसार जिला पुलिस द्वारा शिकंजा कसा जा रहा है। ऐसे ही दो अलग अलग मामलों में इकनॉमिक सैल द्वारा 2 आरोपियों को काबू कर लिया गया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बाता गांव निवासी रवि कुमार की शिकायत अनुसार उसके दोस्त पवन के पिता ज्ञान सिंह से उसकी विदेश जाने को लेकर बातचीत हुई। ज्ञान सिंह ने कहा कि वह लोगों को विदेश भेजने का कार्य करता है। उसे भी विदेश भेज देगा। वह आरोपी के झांसे में आ गया और विदेश जाने बाबत उसने हां कर दी। 23 जुलाई 2023 को ज्ञान सिंह, उसकी पत्नी व पवन की पत्नी शर्मिला उनके घर पर आए और उससे आठ लाख रुपये ले गए। उसी समय उसकी बात मंगू नाम के एजेंट से करवाई। मंगू ने कहा कि मैं तुम्हें कल दुबई भेज रहा हूं वहां पर मेरे आदमी मिलेंगे जो कि तुम्हे इंग्लैंड पहुंचा देंगे।

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में समर वेकेशन होमवर्क वितरण किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

आदर्श सीनियर सेकेंडरी स्कूल जाखौली में ग्रीष्मकालीन शिक्षक बैठक ली गई। बैठक में अभिभावकों ने बच्चों की शैक्षिक प्रगति पर शिक्षकों से विचार.विमर्श किया और विद्यालय के शिक्षण गुणवत्ता की सराहना की। बैठक के उपरांत विद्यार्थियों को 1 जून से 30 जून तक के ग्रीष्मकालीन अवकाश के लिए विषयवार समर वेकेशन होमवर्क वितरित किया गया। यह होमवर्क छात्रों के बौद्धिक और रचनात्मक विकास को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया ताकि वह अवकाश के दौरान भी सीखने की प्रक्रिया से जुड़े रहें। जैसे ही छुट्टियों की घोषणा हुई और होमवर्क मिलाए बच्चों के चेहरों पर छुट्टियों की मुस्कान खिल उठी। विद्यालय परिसर उत्साह उमंग और आनंद से भर गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य ओम प्रकाश ने अभिभावकों को धन्यवाद देते कहा कि हमारे विद्यालय की सफलता में अभिभावकों की सक्रिय भागीदारी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

वैल बिंग वैलफेयर एजुकेशनल सोसायटी की अनूठी पहल

पूंडरी। शिक्षा केवल ज्ञान अर्जन का माध्यम नहीं, बल्कि यह समाज की रीढ़ और एक सशक्त राष्ट्र निर्माण की आधारशिला है। इसी उद्देश्य को साकार करते हुए वैल बिंग वैलफेयर एजुकेशनल सोसायटी, कुरुक्षेत्र के वाईस डायरेक्टर इकबाल सिंह ने एक सराहनीय और प्रेरणादायक पहल की शुरुआत की है। संस्था का मानना है कि समाज में ऐसे अनेक परिवार हैं, जिनके बच्चे आर्थिक, सामाजिक या शारीरिक कठिनाइयों के कारण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इन्हीं बच्चों को मुख्यधारा में लाने और उनका जीवन संवारने के उद्देश्य से संस्था ने उन्हें शिक्षा प्रदान करने का बीड़ा उठाया है। यह पहल सिर्फ किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं है। संस्था बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, आत्मनिर्भरता, अनुशासन और व्यवहारिक ज्ञान भी प्रदान कर रही है, जिससे वे आत्मविश्वास के साथ अपने भविष्य को संवार सकें। इकबाल सिंह का कहना है कि हर बच्चे को समान अवसर मिलना चाहिए, चाहे वह किसी भी वर्ग, जाति या परिस्थिति से हो। हमारा लक्ष्य है कि समाज के अंतिम पंक्ति में खड़े बच्चे को भी आगे लाकर उसे राष्ट्र निर्माण का भागीदार बनाया जाए। संस्था शिक्षा के साथ बच्चों के पोषण, मानसिक स्वास्थ्य और संपूर्ण व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान दे रही है। इकबाल सिंह ने एक अत्यंत संवेदनशील और जÞरूरी मुद्दा उठाते हुए सरकार से अपील की है कि दिव्यांग बच्चों के परिवारों में से कम से कम एक सदस्य को सरकारी नौकरी अवश्य दी जाए, ताकि उन बच्चों के पालन-पोषण में किसी प्रकार की बाधा न आए और वे गरिमा के साथ जीवन व्यतीत कर सकें। यह पहल न केवल शिक्षा का विस्तार है।

इकबाल सिंह

कैथल। कार्यक्रम के दौरान मौजूद विद्यार्थी व अन्य। फोटो : हरिभूमि

किठाना पब्लिक स्कूल में एंटी टोबैको दिवस मनाया

राजौंद। किठाना पब्लिक स्कूल में 31 मई को एंटी टो बैको दिवस बड़े ही जागरूकतापूर्ण और उत्साहपूर्वक तरीके से मनाया गया। इस अवसर पर स्कूल के सभी हाउस के विद्यार्थियों ने मंच से प्रभावशाली भाषण दिए और तंबाकू के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई। उन्होंने बताया कि तंबाकू का सेवन स्वास्थ्य के लिए कितना घातक हो सकता है। बच्चों ने आंकड़ों और तथ्यों के माध्यम से बताया कि तंबाकू कैंसर हृदय रोग और सांस की गंभीर बीमारियों का कारण बनता है। विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ सुमन ढांडा ने बच्चों को प्रेरित किया कि वे स्वयं तंबाकू से दूर रहें और अपने परिवार व समाज को भी इसके खिलाफ जागरूक करें। इस अवसर पर स्कूल के मैनेजिंग डायरेक्टर विकास ढांडा ने भी बच्चों को मार्गदर्शन देते हुए उन्हें इस प्रकार की आदतों से दूर रहने की सलाह दी।

जिला शिक्षा अधिकारी ने किया पुस्तक का विमोचन

गणित विषय को रोचक और सरलीकरण के लिए जिला शिक्षा विभाग ने तैयार की पजल बुकलेट

- पुस्तक बच्चों में गणित के प्रति जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देगी : गागट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। जिला शिक्षा अधिकारी रामदिया गागट पजल बुकलेट का विमोचन करते।

जिला शिक्षा विभाग ने /"पजल बुकलेट तैयार की है , जिसमें गणित विषय को रोचक, सरल और गतिविधि-आधारित रूप में प्रस्तुत करने का एक अभिनव प्रयास है। इसमें सुडोकू, कश्मीरी अमृत पजल्स, हरबंस पजल्स, गणितीय तर्क, और इंटीग्रेशन, डेरिवेटिव, फंक्शन्स जैसे जटिल विषयों को पजल्स के रूप में वर्गीकृत किया गया है। इस पुस्तक का विमोचन जिला शिक्षा अधिकारी राम दिया गागट ने अपनी सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान किया।

इस बुकलेट को जिला गणित विशेषज्ञ श्री छत्रपाल के नेतृत्व में राजकीय विद्यालयों के गणित शिक्षकों के सहयोग से तैयार किया गया है। इस पुस्तक को पांच भागों में विभाजित किया गया है। जिसके भाग एक में बालवाटिका से कक्षा दो तक, भाग दो में कक्षा तीन से पांच तक, भाग तीन में कक्षा छह से आठ तक, भाग चार मे कक्षा 9 व 10 के लिए तथा भाग पांच में कक्षा 11 व 12 के लिए जटिल गणितीय अवधारणाओं दी गई है। जिला शिक्षा अधिकारी श्री राम दिया गागट ने कहा कि यह पुस्तक बच्चों में गणित के प्रति जिज्ञासा और रचनात्मकता को बढ़ावा देगी। इस अवसर पर उप जिला शिक्षा अधिकारी सुरेश कैंदल, उप जिला शिक्षा अधिकारी सुरेंद्र हुड्डा, जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल, जिला विज्ञान विशेषज्ञ अनिल तंवर, एईओ रमेश, प्रवक्ता राम मेहर, बीआरपी संदीप, समस्त जिला शिक्षा अधिकारी स्टाफ उपस्थित रहे।

गणितीय अभिरुचि का विकास होगा

जिला गणित विशेषज्ञ छत्रपाल ने बताया कि पुस्तक में दिए गए उदाहरणों के आधार पर शिक्षक नई पजल्स तैयार कर विद्यार्थियों को गृहकार्य के रूप में देंगे। इससे विद्यार्थियों में समस्या समाधान क्षमता, तार्किक सोच और गणितीय अभिरुचि का विकास होगा।यह बुकलेट अब ऑनलाइन सभी के लिए उपलब्ध कर दी जाएगी और प्रत्येक वर्ष इसके नए संस्करण और अंक जारी किए जाएंगे। विद्यार्थी स्वयं भी नई पजल्स बनाना सीखेंगे।

आत्मचिंतन के लिए नियमित प्राणायाम जरूरी: डॉ. शकुंतला

- कैदियों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ शकुंतला दहिया ने बताया कि महानिदेशक आयुष हरियाणा पंचकुला के आदेशानुसार जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग कैथल के संयुक्त तत्वाधान में जिला कारागार कैथल में महिला एवं पुरुष कैदियों के लिए योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया।योग करने वाले प्रतिभागियों में पुलिस अधिकारियों, कर्मचारीयों एवं कैदियों को मिलाकर 498 लोगों ने हिस्सा लिया।

डॉ शकुंतला दहिया ने कहा कि कैदियों की मानसिक शांति व आत्मचिंतन के लिए नियमित प्राणायाम एवं ध्यानयोग बेहद जरूरी है, योग से ही जीवन में परिवर्तन आएगा. इसलिए योग को नियमित दिनचर्या में अपनाना चाहिए।

जेल अधीक्षक अशोक कंबोज ने कहा कि योग जीवन को अच्छे ढंग से जीने की कला है योग से हमारी चेतना का विकास होता है एवं व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिलता है, जिससे व्यक्ति हिंसा को छोड़ अहिंसा की तरफ अग्रसर होता है। इस कार्यक्रम में जेल उप-अधीक्षक सुरेंद्र कुमार, सहायक जेल अधीक्षक नरेंद्र कुमार एवं अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

आयुष विभाग की तरफ से योग ट्रेनर संदीप राजराणा, सुखदेव एवं सतीश तथा महिला वार्ड में कनिका ने योग प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया। योग शिविर में कैदियों ने शारीरिक बल को मजबूत बनाने के लिए ताड़ासन, वृक्षासन, त्रिकोणासन, तिर्यक ताड़ासन, उष्ट्रासन, वज्रासन तथा मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनुलोम विलोम, भ्रामरी, ध्यान का अभ्यास किया।

खबर संक्षेप

सचिवालय परिसर में किया मॉक ड्रिल

नरवाना। नरवाना लघु सचिवालय परिसर में दिया गया माक ड्रिल का प्रशिक्षण जिसमें शहर पुलिस ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया और आपातकालीन स्थिति में कैसे लोगों की मदद करें उसके बारे में जानकारी दी गई। कैसे लोगों का प्राथमिक चिकित्सा उपचार किया जाये और उनको नागरिक अस्पताल तक पहुंचाया जाये जिससे उनके जीवन की रक्षा की जा सके।

घसो में भंडारे और हवन का आयोजन

जींद। घसो गांव में श्रीश्री 1008 बाबा दयानाथ, गरीब नाथ के जन्मोत्सव पर भंडारेए हवन का आयोजन हुआ। भाजपा विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने मंदिर में समाधि पर मत्था टेक कर हवन में आहुति डाली। मंदिर परिसर में भंडारे में प्रसाद का ग्रहण किया। विधायक ने कहा कि हमें साधु, संतों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। समाज को सही दिशा में लेकर जाने का कार्य वो करते है।

रैली निकाल किया नशे के प्रति जागरूक

जींद। विश्व तम्बाकू दिवस पर अहिरका गांव के आर्य सीनियर सेकेंडरी स्कूल के एससीसी कैडेट्स ने एक ड्राइव का आयोजन किया। इसमें लोगों के घरों, दुकानों आदि पर जाकर उन्हें तम्बाकू के सेवन से दूर रहने के लिए प्रेरित किया और तम्बाकू के सेवन से होने वाली शारीरिक व आर्थिक नुकसान से भी लोगों को अवगत करवाया।

सफाई ठेका घोटाले की उच्च स्तरीय जांच की मांग

कैथल। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी(मार्क्सवादी) की हरियाणा राज्य कमेटी ने पानीपत नगर निगम के सफाई ठेका घोटाले की उच्च न्यायालय की निगरानी में निष्पक्ष जांच की मांग की है। गौरतलब है कि एंटी करप्शन ब्यूरो द्वारा 2 मई, 2025 को पानीपत नगर निगम के 12 अधिकारियों और ठेका कम्पनियों के मालिकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। परंतु अभी तक न ही तो किसी आरोपी अधिकारी को निलम्बित किया है और न ही गिरफ्तार किया गया है।

पड़ाना धाम जोतराम मंदिर में रक्तदान शिविर आज

जींद। एक जून को पड़ाना धाम जोतराम मंदिर में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, जागरण और भंडारे का आयोजन किया जाएगा। मंदिर कमेटी के प्रधान लीलाराम ने बताया कि ब्लड बैंक नागरिक अस्पताल जींद के सहयोग से आयोजित रक्तदान शिविर में युवाओं के साथ महिलाएं भी रक्तदान करेंगी।

विवाहिता तीन साल की बेटी के साथ हुई लापता

कैथल। कैथल शहर से एक विवाहिता अपनी बेटी के साथ पीना बताएं घर से चली गई। इस संबंध में कैथल की एक कॉलोनी के व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि 29 मई को उसकी पत्नी उसकी 3 वर्षीय बेटी के साथ बिना बताए घर से चली गई। उन्होंने उनकी आसपास का भी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। जांच अधिकारी हेड कांस्टेबल अयूब खान ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ऑपरेशन शील्ड के तहत हुई मॉक ड्रिल, भोंपू बजते ही हरकत में आया प्रशासन

मॉक ड्रिलः आपात हालात में सचेत करने के लिए बजा सरकारी भोंपू

सरकारी भौंपू की आवाज कुछ ही दूरी तक सुनाई दी, दावा इलाके को अलर्ट करने का, 7:55 से सवा आठ बजे तक रहा ब्लैक आउट

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

ऑपरेशन शील्ड के तहत शनिवार को मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया। सरकारी भौंपू बजते ही हरकत में आया और मॉक ड्रिल के तहत तैयारियों को दिखाने में कर्मचारी जुट गए। हालांकि सरकारी भौंपू की आवाज कुछ ही दूरी तक सुनाई दी। जबकि दावा इलाके को अलर्ट करने का था। वहीं 7:55 से सवा आठ बजे तक ब्लैक आउट रहा। मॉक ड्रिल और ब्लैकआउट को लेकर पहले ही आमजन को जानकारी दे दी गई थी।

सायरन की सक्रियता जांची

ऑपरेशन शील्ड के दौरान सायरन की सक्रियता की जांच की गई और अन्य विभिन्न प्रकार की गतिविधियां भी आयोजित की गई। सरकारी भोंपू की आवाज कुछ ही दूरी तक सुनाई दी। जबकि दावा इलाके को अलर्ट करने का था। एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने कहा कि अगर कोई आपातकालीन स्थिति आती है तो उस समय जिला प्रशासन के सहयोग से बचाव दलों द्वारा घायलों को जल्द से जल्द उपचार के लिए अस्पताल भेजा जाता है। ऐसी स्थिति में हिदायतों अनुसार सभी घायलों की प्राथमिक उपचार के साथ-साथ हर प्रकार से मदद करनी होती है।

जींद। मॉक ड्रिल में भाग लेते कर्मी। फोटो: हरिभूमि

भौंपू बजते ही हरकत में आया प्रशासन

भोंपू बजते ही पुलिस विभाग, होमगार्ड, एनसीसी, स्वास्थ्य विभाग की टीम, फायर बिग्रेड जैसे महत्वपूर्ण विभागों द्वारा इसका अभ्यास किया गया। सभी विभाग किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार रहे। किसी भी प्राकृतिक आपदा से निपटने के लिए अधिकारी व कर्मचारी अपने विभाग से संबंधित सभी प्रबंध किए गए थे।

ऑपरेशन शील्ड के तहत हुई मॉक ड्रिलः एसडीएम

एसडीएम सत्यवान सिंह मान ने बताया की जिला प्रशासन द्वारा स्थानीय लघु सचिवालय परिसर में शनिवार को द्वितीय नागरिक सुरक्षा अभ्यास के तहत ऑपरेशन शील्ड के तहत मॉक ड्रिल आयोजन किया गया। ऑपरेशन शील्ड का उद्देश्य आपात स्थिति में तैयारी और रिस्पॉन्स को बेहतर बनाना है।

गुहला-चीका। ऑपरेशन शील्ड के तहत कलायत व कांगथली में हुई मॉक ड्रिल में भाग लेते कर्मचारी। फोटो: हरिभूमि

ऑपरेशन शील्ड के तहत कलायत व कांगथली में हुई मॉक ड्रिलः डीसी प्रीति

गुहला-चीका। डीसी प्रीति ने कहा कि जिला स्तर पर ऑपरेशन शील्ड के तहत कलायत व कांगथली में सफल रूप से मॉक ड्रिल की गई। कैथल में लघु सचिवालय व अन्य स्थानों पर सायं 5 बजे सायरन की आवाज गूंजी। डीसी ने बताया कि आपात स्थिति में नागरिक सुरक्षा, तैयारी तथा रिस्पॉन्स को परखने के उद्देश्य से शनिवार को जिले में एसडीएम अजय हुड्डा की अगुवाई में कलायत के लघु सचिवालय में तथा एसडीएम कैप्टन प्रमेश सिंह की अगुवाई में कांगथली पॉवर प्लांट में मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इस दौरान प्रशासन ने संकट के समय सुरक्षा व्यवस्थाओं, आम लोगों, सुरक्षा बलों और प्रशासन के बीच तालमेल बिठाने का अनूठा प्रयास रहा। इस दौरान सायरनों की आवाज गूंजते ही बचाव दल मौके पर पहुंचना शुरू हो गए। जिसमें फायर ब्रिगेड, पुलिस, एंबुलेंस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और बचाव कार्य शुरू किया। अभ्यास के तौर पर रेडक्रॉस के वॉलिंटियर्स आपात स्थिति में घायल होने पर लोगों को पीठ पर व स्ट्रेचर पर उठाकर बाहर लाया गया। उन्हें तुरंत एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। इसके अलावा दमकल की गाड़ियों ने भी अभ्यास के तौर पर आगजनी पर काबू पाया गया।

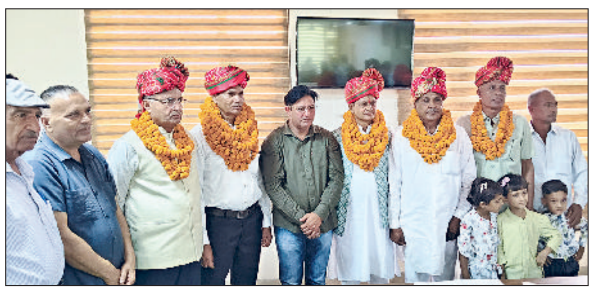

जींद। सेवानिवृत कर्मियों को विदाई देते हुए। फोटो: हरिभूमि

पुलिस विभाग से छह कर्मचारी हुए सेवानिवृत

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

- डीएसपी जितेंद्र सिंह ने सम्मान के साथ दी विदाई

पुलिस विभाग से शनिवार को छह कर्मचारी सेवानिवृत हो गए। उन्हें डीएसपी जितेंद्र सिंह ने विदाई समारोह के दौरान फूलमाला, पगड़ी, स्मृति चिह्न और अन्य सामान देकर सम्मान सहित विदाई दी। इस दौरान लाइन अफसर सतीश कुमार, पुलिस प्रवक्ता अमित कुमार, सेवानिवृत जा चुके पुलिस कर्मचारी प्रेम सिंह बांगड़ भी मौजूद रहे। डीएसपी जितेंद्र सिंह ने कहा कि अपने जीवन का अमूल्य समय पुलिस और जनता की सेवा में लगाने पर सकुशल सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत होने वाले कर्मचारी खुद को हर जिम्मेदारी से रिटायर न समझ कर समाज सेवा के कार्यों में लिप्त रखें। अपने परिवार को ज्यादा से ज्यादा समय दें। वे अपने आने वाले जीवन में अपने परिवार के साथ अच्छा समय व्यतीत करने का प्रयास करें। समाज में रह कर पुलिस के प्रति लोगों की सोच को बदलने की कोशिश करें। पुलिस प्रवक्ता अमित कुमार ने बताया कि उप निरीक्षक महेश कुमार नुरुगढ़ जिला गुरुग्राम जो पुलिस में बतौर सिपाही आठ दिसंबर 1988 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 36 साल पांच महिला 12 दिन रहा। निरीक्षक देवेंद्र सिंह निवासी सेक्टर 26 जींद जो पुलिस में बतौर सिपाही सात सितंबर 1989 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 35 साल आठ महीने 25 दिन रहा। निरीक्षक आभा राम निवासी गांव छौत, जिला कैथल जो पुलिस में बतौर सिपाही 29 सितंबर 1989 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 35 साल आठ महीने तीन दिन रहा। उपनिरीक्षक ओम नारायण वासी संजय कॉलोनी रोहतक जो पुलिस में बतौर सिपाही 17 अक्टूबर 1989 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 35 साल सात महीने 15 दिन रहा। उपनिरीक्षक बलजीत सिंह निवासी पेटवाड़ए जिला हिसार जो पुलिस में बतौर सिपाही सात अक्टूबर 1992 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 32 साल सात महीने 25 दिन रहा। सिपाही देवदत्त निवासी प्रवेश नगर गोहाना रोड रोहतक जो पुलिस में बतौर सिपाही 24 दिसंबर 2008 को भर्ती हुए थे। उनका सेवा काल 16 साल पांच महीने आठ दिन रहा।

अव्वल रहे छात्रों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ढांड

शहीद प्रेम सिंह राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, कौल में आज प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन बड़े ही उत्साह और गरिमा के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर विद्यालय की कक्षा 10वीं एवं 12वीं के बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। समारोह की शुरूआत प्रधानाचार्य श्याम पाल शर्मा ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में परीक्षा उत्तीर्ण करना ही पर्याप्त नहीं, बल्कि उत्कृष्ट प्रदर्शन कर भीड़ से अलग पहचान बनाना ही सफलता का सच्चा मापदंड है। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि सफलता के लिए केवल संसाधनों की नहीं, बल्कि दृढ़ संकल्प, कठोर परिश्रम और स्पष्ट लक्ष्य की आवश्यकता होती है। इसके पश्चात कक्षा 10वीं और 12वीं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को विशेष रूप से ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह में इन होनहार विद्यार्थियों को मंच पर आमंत्रित कर उनके अनुभव साझा करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस क्रम में कक्षा 12वीं की छात्रा आरजू, सुपुत्री सुरिंदर सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बताया कि निरंतर अध्ययन, समय प्रबंधन और आत्मविश्वास ही उसकी सफलता के सूत्र रहे।

ढांड। अव्वल रहे विद्यार्थियों को सम्मानित करते अधिकारी। फोटो: हरिभूमि

छह सफाई कर्मियों की पगार के नाम पर झोली खाली

हरिभूमि न्यूज ⏭कलायत

कलायत में एक वर्ष तक टेंडर प्रक्रिया के तहत नगर पालिका के सात पार्कों की साफ-सफाई करने वाले छह कर्मियों की पगार के नाम पर झोली खाली है। टेंडर की समय अवधि 4 मार्च 2025 को समाप्त हो चुकी है। इसके चलते एक तो इनके हाथ से रोजगार चला गया और दूसरी अभी तक मेहनताना नहीं मिला। प्रभावित कर्मी रिषीपाल, सोनू, सुनीता, चिमल, राजू और बलराम ने इस संबंध में जिला उपायुक्त के साथ-साथ प्रदेश मुख्यमंत्री को शिकायत भेजी है। इनका कहना है कि अपने हक के लिए वे दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। बावजूद इसके न तो नगर पालिका प्रशासन इनकी पीड़ा को सुन रहा और न टेंडर एजेंसी। जबकि एक वर्ष पहले एक समिति द्वारा नगरपालिका कलायत के माध्यम से वे शहर पार्कों की सफाई करते रहे हैं। इसमें महाराजा अग्रसेन पार्क, नगरपालिका परिसर, वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप सामुदायिक भवन, सैनी कालोनी, माडल टाउन पार्क, प्राचीन रूढ़पुरी पुरी और श्री कपिल मुनि सरोवर तट पर भगवान विश्वकर्मा वाटिका परिसर शामिल है। टेंडर प्रक्रिया के तहत काम करने वाले कर्मियों ने बताया कि वर्ष भर में उन्हें केवल 2 बार पगार मिली। बाकी दस माह तक उनसे बिना मेहनताना काम लिया जाता रहा। सारी स्थिति से नगर पालिका प्रशासन भली भांति वाकिफ है। अधिकारियों का कहना है कि यह कार्य टेंडर के माध्यम से एक एजेंसी को दिया गया था इसलिए उनकी इसमें कोई जिम्मेवारी नहीं। जबकि सरकार द्वारा टेंडर एजेंसियों के कामकाज और व्यवस्था की जिम्मेवारी अधिकारियों की होती है। ऐसे में भला कोई एजेंसी किसी के साथ कैसे मनमानी कर सकती है।

कलायत। एसडीएम कार्यालय परिसर में शिकायत की प्रति दिखाते कर्मी।

पालिका के पास बकाया है सात माह का बिलः

स्वच्छ वातावरण विकास समिति संचालकों के अनुसार फिलहाल नगर पालिका के पास उनके सात माह के बिल पेंडिंग हैं। इसके चलते ही सफाई कर्मियों का भुगतान नही हो पा रहा। यदि नगर पालिका उनके बकाया बिलों का भुगतान कर दे तो उन्हें कर्मियों का तुरंत प्रभाव से मेहताना अदा कर देंगे। भुगतान को लेकर वे बार-बार नगर पालिका अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं।

प्रदर्शनी से बच्चों ने दिखाई अपनी प्रतिभा

- प्रदर्शनी में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल में 31 मई 2025 को ग्रीष्मावकाश शुरू होने से एक दिन पहले तीसरी और चौथी कक्षा के बच्चों के लिए एक शिक्षण प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बच्चों ने अपनी रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन किया और विभिन्न विषयों को खेल-खेल में प्रदर्शित किया।बच्चों ने अपनी कक्षा के समूहों में विभिन्न मॉडल, चार्ट और सृजनात्मक गतिविधियाँ तैयार की और उन्हें अपने शब्दों में अभिव्यक्त किया। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य बच्चों को अपनी रचनात्मकता को प्रदर्शित करने और अपने ज्ञान को सांझा करने का अवसर प्रदान करना था।इस अवसर पर बच्चों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया गया, जिन्होंने बच्चों के कार्यों की सराहना की। विद्यालय की प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियां बच्चों की रचनात्मकता और कल्पनाशीलता का प्रदर्शन हैं। उन्होंने कहा कि जब बच्चे अपने हाथों से कोई प्रयोग या परीक्षण करते हैं, तो इसके परिणाम दीर्घकालिक होते हैं।

कैथल। विज्ञान प्रदर्शनी में दमखम दिखाते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

प्रदर्शनी बच्चों के लिए जरूरी

इस प्रकार की गतिविधियाँ न केवल बच्चों की रचनात्मकता को बढ़ावा देती हैं, बल्कि उन्हें सीखने का एक रोचक और आकर्षक तरीका भी प्रदान करती हैं। इस प्रदर्शनी के आयोजन से बच्चों को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने और अपने आत्मविश्वास को बढ़ाने का अवसर मिला। यह प्रदर्शनी बच्चों के भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

पुलिस कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल

- बोले दुकानदार : विधायक के कहने के बावजूद भी पुलिस नही कर रही कार्रवाई, दुकानदारों में रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭अलेवा

नगूरां बस स्टैंड स्थित दुकानदारों ने करीब पांच दिन पूर्व करियाणा स्टोर की दुकान में चोरी मामले में पुलिस द्वारा किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं करने के विरोध स्वरूप शनिवार को पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताया। दुकानदारों का कहना है कि मामले को लेकर उचाना के विधायक देवेंद्र चतुर्भुज अत्री के कहने के बावजूद पुलिस चोरों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। जिसके कारण दुकानदारों में पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष है। नगूरां स्थित जय दुर्गे करियाणा स्टोर के मालिक पुरूषोत्तम व अन्य दुकानदार रविंद्र, सचिन, अमित, साहिल, प्रदीप, हरदीप, सुरेश, मनोज, दीपक आदि ने पुलिस के प्रति रोष जताते हुए कहा कि 26 मई को जय दुर्गे करियाणा स्टोर में चोरों द्वारा चोरी की थी। जिसमें दुकानदारों ने सीसीटीवी कैमरों के अलावा काफी सामान चोरी किया था। यही नहीं उसकी दुकान में चोरों द्वारा पिछे भी तीन बार चोरी की जा चुकी है। इसके लिए तीनो बार पुलिस को शिकायत दी जा चुकी है, लेकिन पुलिस आश्वासन के सिवा कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

अलेवा। पुलिस प्रशासन के खिलाफ रोष जताते नगूरां स्थित दुकानदार।

अजीमगढ़ पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपी को प्रोडक्शन वारंट पर कैथल लाई पंजाब पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭कैथल

गुहला-चीका क्षेत्र में पंजाब बॉर्डर से सटी अजीमगढ़ पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमला करने के आरोपी हार्दिक कंबोज को गिरफ्तारी के बाद पंजाब पुलिस प्रोडक्शन वारंट पर कैथल लाई है। इस आरोपी को एक दिन पहले ही पंजाब की पुलिस ने कपूरथला पकड़ा है। यह यमुनानगर जिले का निवासी है आरोपी की पहचान हार्दिक कंबोज के रूप में हुई है, जिसे पुलिस पंजाब से कैथल लेकर आई है। इस संबंध में पुलिस पूछताछ कर रही है।

छह अप्रैल को किया हमलाः इस मामले में छह अप्रैल को पंजाब-हरियाणा बॉर्डर पर स्थित अजीमगढ़ पुलिस चौकी पर सुबह के समय अज्ञात आरोपियों ने ग्रेनेड से हमला कर दिया था। हमले की जिम्मेदारी बब्बर खालसा नामक खालिस्तान समर्थित आतंकी संगठन ने ली थी। इस संबंध में ग्रुप की ओर से सोशल मीडिया पर पोस्ट भी डाली गई थी।

पहले पकड़ा जा चुका एक आरोपी

पुलिस के मुताबिक अजीमगढ़ चौकी में हुआ हमला निचले स्तर का का था। तीव्रता कम होने से यहां किसी का नुकसान तो नहीं हुआ लेकिन राख फैल गई थी। आतंकियों की सोशल मीडिया पोस्ट के बाद पुलिस को भी यहां ब्लास्ट का शक हुआ। अधिकारियों ने चौकी के अंदर-बाहर जांच की। पंजाब से भी पुलिस यहां आई थी। इसके बाद यहां से राख-मिट्टी के कुछ सैंपल जांच के लिए लेबोरेटरी भेजे गए। जिनकी जांच में पता चला कि यहां विस्फोटक इस्तेमाल हुआ है। इससे पहले हरियाणा पुलिस ने कैथल के छौत निवासी एक किशोर को पकड़ा था। हार्दिक को पंजाब पुलिस ने जालंधर में ग्रेनेड हमले के मामले में गिरफ्तार किया था, जिसमें उस पर जालंधर में एक यूट्यूबर के घर पर ग्रेनेड फेंकने का आरोप था। अब पुलिस हार्दिक को प्रोडक्शन वारंट पर लाकर अजीमगढ़ चौकी हमले से जुड़ी पूछताछ करेगी। डीएसपी कुलदीप बेनीवाल ने कहा कि मामले में आरोपी को कपूरथला में जेल में बंद था। आरोपी को अब कैथल लाया गया है। उससे मामले को लेकर पूछताछ की जाएगी। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

बिंगोमोडः नया साइबर हथियार, लिंक से किया जाता है वार

चुराता है बैंक डिटेल, फिर कर देता है फोन को नष्ट

- तकनीकी युग में साइबर अपराधी लगातार नए-नए हथकंडों से ठगी को दे रहे हैं अंजाम
- सावधान रहें सतर्क करें, किसी अनजान लिंक पर ना करें क्लिक : एसपी कुलदीप सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭जींद

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने आमजन को नए साइबर अपराध के बारे में सतर्क करते हुए बताया कि हाल ही में बिंगोमोड नामक एक अत्यंत खतरनाक एंड्रॉयड वायरस का पता चला है। जो उपयोगकर्ताओं के बैंक खातों को निशाना बना कर उनकी जमा राशि चुरा लेता है और उसके बाद डिवाइस को स्वयं ही नष्ट (फैक्टरी रिसेट) कर देता है।

एसपी कुलदीप सिंह।

तकनीकी रूप से घातक है बिंगोमोड

साइबर विशेषज्ञों के अनुसार बिंगोमोड एक उन्नत एंड्रॉइड रिमोट एक्सेस ट्रोजन (रेट) है। यह संक्रमित डिवाइस से बिना जानकारी के बैंक खातों तक पहुंच बना लेता है और ट्रांजेक्शन कर सकता है। यह एंड्रॉयड के मीडिया प्रोजेक्शन (एपीआई) का उपयोग करके स्क्रीनशॉट ले सकता है और 40 से अधिक कमांड को रिमोटली नियंत्रित कर सकता है।

आमजन से अपील

एसपी कुलदीप सिंह ने अमजन से अपील की है कि किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें। अपनी बैंक डिटेल, पासवर्ड, ओटीपी जैसी व्यक्तिगत जानकारी किसी से साझा न करें। व्हाट्सअप, ई-मेल या अन्य सोशल प्लेटफार्म पर प्राप्त संदिग्ध लिंक से सावधान रहें। कोई भी साइबर ठगी की घटना होने पर तत्काल स्थानीय पुलिस स्टेशन से संपर्क करें या राष्ट्रीय साइबर हैल्पलाइन नंबर 1930 पर कॉल करेंए ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके।

बिंगोमोड कैसे करता है हमला

एसपी कुलदीप सिंह ने बताया कि साइबर ठग एक संदिग्ध लिंक एसएमएसए ई-मेल या सोशल मीडिया के माध्यम से भेजते हैं। जैसे ही उपयोगकर्ता उस लिंक पर क्लिक करता है, यह वायरस उसके मोबाइल, लैपटॉप या कंप्यूटर में प्रवेश कर जाता है। इसके बाद यह बैंक खातों की गोपनीय जानकारी चुरा लेता है और खाते से राशि निकाल कर खुद को डिवाइस से स्वतः हटा देता है। साथ ही डिवाइस को फैक्टरी रिसेट मोड में डाल देता है। इसी कारण इसे आत्मघाती मैलवेयर भी कहा जाता है।

हरिभूमि **रविवार** भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 1 जून 2025

प्रदूषण की भयावह होती वैश्विक समस्या और बढ़ते तापमान से मुक्ति पाने का सबसे कारगर उपाय है कि हम ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने की दिशा में कारगर कदम बढ़ाएं। हालांकि इस दिशा में भी कई चुनौतियां हैं, लेकिन सरकारी स्तर पर ठोस पहल और जन सामान्य की भागीदारी से देश-दुनिया को हरा-भरा बना सकते हैं, भविष्य को सुरक्षित बना सकते हैं।

विशेष: विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून

तपते शहरों में ऐसे बढ़ेगा ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर

कवर स्टोरी
अपराजिता

आगामी 5 जून 2025 को जब हम विश्व पर्यावरण दिवस मनाएंगे, तो हमारे देश के कई बड़े शहर तप रहे होंगे। दिल्ली हो या जयपुर, नागपुर हो या हैदराबाद। देश के कई शहर गर्मियों में तपते द्वीपों में बदल चुके हैं। सिर्फ हम अपने देश के शहरों की ही बात क्यों करें? लाहौर, बीजिंग, न्यूयॉर्क, टोक्यो और दुबई की भी आज की तारीख में यही स्थिति है। सवाल है, इन शहरों में फिर से जीवन को चैन और आराम देने वाली ठंडक कैसे मिले? कंक्रीट के हमारे जंगल, ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में कैसे बदलें?

क्या है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर का मतलब है, ऐसे डिजाइन और ऐसी व्यवस्थाएं, जो प्राकृतिक समाधान प्रस्तुत करें। ये पार्क, छतों पर बागवानी, हरित दीवारों, वर्षा जल संरक्षण, शहरी जंगल, जैविक नालियां, ग्रीन कॉरीडोर और स्वच्छ ऊर्जा से जुड़ी सम्मिलित संरचनाओं का नाम है। यह ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर न केवल हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है बल्कि लोगों को रोजगार, बेहतर स्वास्थ्य और शहरों को अधिक टिकाऊ बनाता है।

बिगड़ते पर्यावरण की वजहें: आजकल जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वॉर्मिंग के कारण भारत ही नहीं दुनिया भर के ज्यादातर शहर, गर्मी से जल रहे हैं। शहरों में अर्बन हीट, आइलैंड इफेक्ट जोर-शोर से देखा जा रहा है। शहरों में कंक्रीट, डामर और प्लास्टिक की अधिकता, जमीन की नमी सोख रही है, जिससे तापमान बढ़ रहा है। यही नहीं जो शहर पहले छायादार पेड़ों की कतारों के हिस्से हुआ करते थे, अब उन शहरों में बड़े-बड़े पेड़ों को काट कर सड़कों का विस्तार और नए-नए मॉल्स बनाए जा रहे हैं, जिससे हमारे पारंपरिक शहरों का ग्रीन आवरण लगातार घट रहा है। कार्बन उत्सर्जन बढ़ रहा है और जल प्रबंधन की विफलता भी हमारे सामने है। शहरों में अंधाधुंध ढंग से बढ़ रहे वाहन, फैक्ट्रियां और कूलिंग सिस्टम से निकलने वाली गैसें, लगातार हमारे शहरों के तापमान बढ़ा रही हैं। दूसरी तरफ अंधाधुंध रिहाईशी ढांचे खड़े कर देने के कारण बारिश का जल बह कर निकल जाता है। धरती में वापस नहीं जा पाता, जिससे न सिर्फ सूखे बल्कि बाढ़ की समस्या भी इससे बढ़ रही है।

बढ़ रही है ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत: बिगड़ते पर्यावरण की वजह से ही विश्व स्तर पर ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की खासी जरूरत बढ़ी है। आज ज्यादातर नगर योजनाकार बार-बार ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत पर बल देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि 2050 तक दुनिया की करीब 70 फीसदी आबादी शहरों में रह रही होगी और तब आज से कहीं ज्यादा पर्यावरणीय दबाव होगा। साल 2023 की आईपीसीसी रिपोर्ट कहती है, यदि शहरों में हरित क्षेत्र 30 प्रतिशत बढ़ा दिया जाए तो दुनिया के औसतन तापमान में 2 डिग्री सेंटीग्रेड की कमी आ जाएगी। पेरिस, सियोल, मेलबर्न और कोपनहेगन जैसे शहर अब हर नई परियोजना को ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर में तब्दील कर रहे हैं।

इस दिशा की चुनौतियां: भारत में ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बनाना बड़ी चुनौती है, क्योंकि हमारी स्थानीय शहरी निकायों के पास इस पर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं हैं। साथ ही हमारे नगर निकायों के पास पर्याप्त वित्तीय संसाधनों की भी कमी है। इसलिए हमारे शहर चाहकर भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को फिलहाल नहीं बढ़ा पा रहे हैं, क्योंकि आम लोग इसे अतिरिक्त खर्च वाला समझते हैं। यही कारण है कि अब बड़े पैमाने पर ऐसी योजनाएं और स्मार्ट सिटी मिशन उभर कर सामने आ रहे हैं, जिनमें ग्रीन कॉरीडोर, अर्बन फॉरेस्ट, रेन वॉटर हार्वेस्टिंग पर जोर दिया जा रहा है। शहरों में कृषि और टेरेस गार्डेनिंग का बढ़ावा भी इसी के चलते हो रहा है। तमाम नए स्टार्टअप यह कर रहे हैं। सीएसआर और ईएसजी की फंडिंग से निजी कंपनियां आजकल हरित परियोजनाओं में निवेश कर रही हैं।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के तरीके: ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने के लिए जरूरी है कि सभी शहरी विकास योजनाओं में ग्रीन बजट को अनिवार्य किया जाए। साथ ही बिल्डिंग बाई लॉज में छत पर गार्डेनिंग, वर्षा जल संग्रहण जैसी अनिवार्य योजनाओं को लागू किया जाए। अब जरूरी हो गया है कि शहरी खेती और कम्युनिटी गार्डेनिंग को अनिवार्य किया जाए। हर मुहल्ले में सामूहिक बागवानी प्रोजेक्ट शुरू किए जाएं, नगर निगम स्थानीय सब्जी उत्पादन को बढ़ावा दें, इसके लिए सब्सिडी और बेहतर ट्रेनिंग का सहारा लिया जाए। शहरी घरों की छतों और दीवारों को ज्यादा से ज्यादा हरा किया जाए। इसकी सबसे पहली शुरुआत सरकारी भवनों, विभिन्न सरकारी इमारतों और शहरी विभागों से किया जाए। निजी फ्लैट और कॉम्प्लेक्स में भी ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावा देने के लिए कई तरह के टैक्स में छूट दी जाए ताकि लोग ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर की तरफ आकर्षित हों। शहर की हर इमारत में ग्रीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट लगाना अनिवार्य किया जाए, साथ ही बरसाती नालियों को पुनः डिजाइन करके उन्हें जैविक जल निकासी प्रणाली में बदला जाए।

ये उपाय भी होंगे कारगर: बड़े पैमाने पर शहरों का ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर तभी विकसित हो सकता है, जब ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी इसकी ट्रेनिंग, जैसे लैंडस्केपिंग, वर्टिकल गार्डेनिंग जैसी तकनीकों में युवाओं की ज्यादा से ज्यादा भागीदारी हो। युवाओं को ग्रीन अंबेस्डर बनाकर स्कूल, कॉलेज से ही इस दिशा में उन्हें पर्यावरण हितैषी के रूप में बड़ा किया जाए। शहरों में यदि ग्रीन कैप बढ़ेगा, तो लोग उनके फायदों से भी वाकिफ होंगे और ज्यादा से ज्यादा इसका फायदा उठाना चाहेंगे। इसके लिए जरूरी है कि ग्रीन मैप एप्स के कल्चर को बढ़ावा दिया जाए। ग्रीन कवर एरिया को स्टेटस सिंबल बनाया जाए। इसके लिए एआई और सैटेलाइट तकनीक से इनकी रक्षा और निगरानी भी किया जाना जरूरी है।

ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर को अपनाने से न केवल हमारी धरती को फिर से हरी-भरी बनाने में मदद मिलेगी बल्कि नई पीढ़ी को उस दहकती हुई गर्मी से छुटकारा मिलेगा, जो आज शहरी जीवन का बड़ा अभिशाप बन चुका है। इसलिए विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर इस पर गंभीरता से सिर्फ सोचा ही न जाए, सिर्फ बहस ही न हो बल्कि इसमें अमल किए जाने की प्रक्रिया तेजी से बढ़े। *

जो मानसून हर वर्ष जून के पहले सप्ताह में भारत में प्रवेश करता था, इस बार मई के अंतिम सप्ताह से पहले ही आ गया। ऐसा होने के पीछे किस तरह के कारण जिम्मेदार हैं और इसके क्या प्रभाव हो सकते हैं, आप जरूर जानना चाहेंगे।

समय से पहले आया मानसून !

बदलाव / रजनी अरोड़ा

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक इस साल मानसून की रफ्तार इतनी तेज है कि करीब 2 सप्ताह पहले ही देश में एंट्री हो गई है। समय से पहले आए मानसून से हालांकि जन-मानस को गर्मी की तपिश से राहत पहुंची है, लेकिन पर्याप्त तैयारी के अभाव में कई शहर जल भराव की स्थिति का सामना कर रहे हैं।

परेशानी या वरदान: मानसून का जल्दी आना, सिर्फ मौसम का बदलाव नहीं बल्कि हमारे पर्यावरण और जलवायु में हो रहे बड़े बदलावों का भी संकेत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह जलवायु परिवर्तन वैश्विक तापमान और समुद्री परिस्थितियों के मिले-जुले प्रभाव का नतीजा है। समुद्री सतह के तापमान के अनुकूल बदलाव पड़ा है। समुद्र का टेंपरेचर सामान्य से ज्यादा रहा, जिसके कारण मानसूनी पश्चिमी हवाएं तेजी से सक्रिय हो गईं।

चिंता का कारण: मानसून का जल्दी आना हालांकि कृषि, वाणिज्य जैसे क्षेत्रों के लिए अच्छा हो सकता है। लेकिन इसके अनियमित-बिगड़ते पैटर्न से बाढ़, लैंडस्लाइड, जलजनित बीमारियां, महामारी जैसी समस्याएं उत्पन्न होने का खतरा भी हो सकता है।

जल्दी आने के कारण: देश में मानसून के जल्दी आने को मौसम-वैज्ञानिक ग्लोबल वार्मिंग का असर मान रहे हैं। जिसके प्रति हमें सजग होना और समुचित कदम उठाने जरूरी हैं।

लानीना और अलनीनो का प्रभाव: यह प्रशांत महासागर के तापमान से जुड़ा सिस्टम है। जब प्रशांत महासागर का तापमान ज्यादा गर्म हो जाता है तो उसे अलनीनो कहते हैं, जो भारत के मानसून को कमजोर कर देता है। जब महासागर ठंडा होता है तो वह लानीना कहलाता है, जो मानसून को मजबूत करता है। चूंकि इस साल न ज्यादा गर्मी है और न ज्यादा ठंडक है। यानी ईएनएसओ न्यूट्रल है और यही हालात भारत के मानसून के लिए फायदेमंद है।

इंडियन ओशन डायपोल का पॉजिटिव होना: कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि आईओडी अरब सागर में नमी के जमाव को बढ़ाता है, जिससे मानसून की हवाएं तेज होती हैं और यह मानसून के जल्दी आने का कारण भी बनता है। तो कुछ वैज्ञानिक इसे भारतीय महासागर के पश्चिमी हिस्से यानी अफ्रीका की तरफ और पूर्वी हिस्से यानी इंडोनेशिया की तरफ पानी का तापमान से जोड़ते हैं। वस्तुतः इनके तापमान में फर्क मिलता है। अगर पश्चिमी हिस्सा गर्म होता है और पूर्वी हिस्सा ठंडा तो यह पॉजिटिव आईओडी कहलाता है। यह मानसून के लिए अच्छा होता है यानी बादल बनने, बारिश बढ़ाने में मदद करता है। जबकि इसके विपरीत यानी पश्चिम हिस्सा ठंडा और पूर्वी हिस्सा गर्म हो तो यह नेगेटिव आईओडी कहलाता है और यह मानसून को रोकता है। 2025 में अभी आईओडी भी न्यूट्रल है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि अगस्त-सितंबर तक यह हल्का पॉजिटिव हो सकता है, जो मानसून को और बढ़ा सकता है।

जेट स्ट्रीम में बदलाव: मानसून की हवाएं यानी ऊपरी स्तर की हवाओं में बदलाव से भूमध्य रेखा के ऊपर से हवाएं तेजी से भारत की ओर चलती हैं, जिससे नमी से भरी हवाएं पहले पहुंचकर मानसून जल्दी ले आती हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि सोमाली जेट हवाएं मॉरीशिस और मेडागास्कर से उठती हैं। जो सीधे अरब सागर से होते हुए भारत के पश्चिमी तट यानी केरल, कर्नाटक, गोवा और महाराष्ट्र तक आती हैं। 2025 में ये हवाएं असामान्य रूप से तेज हैं।

ग्लोबल वार्मिंग से बदला मानसून पैटर्न: ग्लोबल वार्मिंग की वजह से वातावरण और महासागरों का तापमान लगातार बदल रहा है। यह बदलाव मानसून के समय और तीव्रता को सीधे प्रभावित करता है। इससे उसका चक्र बदल जाता है। इसके अलावा बीते मई महीने में अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में भारी नमी देखी गई, जिससे बादलों को बनने में ज्यादा देर नहीं लगी। इसके साथ कर्नाटक-गोवा तट के पास बने साइक्लोनिक सिस्टम की वजह से मानसून जल्दी आ गया। *

मानसून के प्रकार: भारतीय मानसून उन हवाओं को कहते हैं, जो ग्रीष्म ऋतु में तापमान ज्यादा होने के कारण बंगाल की खाड़ी, हिंद महासागर और अरब सागर में नमी के बढ़ने से सक्रिय हो जाती हैं। ये हवाएं दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व से उत्तर-पूर्व की ओर चलती हैं और ठंड के दिनों में विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। इसके आधार पर भारत में मानसून मूलतया दो तरह के होते हैं। दक्षिण-पश्चिमी मानसून (जून से सितंबर तक) ये मानसूनी हवाएं भारत में सामान्यतया एक जून को सबसे पहले केरल में प्रवेश करती हैं और वहां बारिश करती हैं। इसके बाद यह धीरे-धीरे उत्तर दिशा में बढ़ता है। फिर जून का अंत तक आते-आते यह देश के ज्यादातर हिस्सों पर छा जाती हैं। उत्तर-पूर्वी मानसून, ऋतु-परिवर्तन होने पर ये हवाएं विपरीत दिशा की ओर यानी समुद्र की ओर बहती हैं। ये हवाएं आमतौर पर सितंबर-अक्टूबर माह तक वापस चली जाती हैं।

चिंतन / यशवंत कोठारी

भारतीयता के मूल में निहित पर्यावरण संरक्षण

भारतीय संस्कृति या कहें भारतीयता में प्रारंभ से ही पर्यावरण को अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। हमारी संस्कृति में वृक्ष, पेड़-पौधों, जड़ी-बूटियों को देवता माना गया है। पवित्र और देवतुल्य वृक्षों की प्राचीन परंपरा भारतीयता के साथ गुंथी हुई है। वास्तव में भारतीयता किसी व्यक्ति विशेष से नहीं प्रकृति, पर्यावरण, सांस्कृतिक चेतना और विरासत से जुड़ी हुई है। तमाम विविधताओं के बावजूद भारतीयता के रक्षकों, पोषकों ने वृक्षों को पूजने की, उन्हें आदर देने की एक ऐसी परंपरा आरंभ की, जो भारतीयता में रच-बस गई है। वृक्षों के महत्व को प्रतिपादित करते हुए हमारी संस्कृति में अनेक परंपराएं और प्रथाएं विकसित की गईं जो वृक्षों, पर्यावरण, संस्कृति, सुहाग, पूजा-पाठ, धार्मिक अनुष्ठान आदि से जोड़ दी गईं। ये सभी चीजें कालांतर में भारतीयता का पोषण करने वाली सिद्ध हुईं।

पेड़-पौधों की करते हैं पूजा: देश के कुछ आदिवासी क्षेत्रों में विवाह के समय वर-वधु एक पौधा लगाते हैं। माना जाता है कि जैसे-जैसे वृक्ष हरा-भरा होकर विकसित होता है, दांपत्य जीवन में भी सुख और संपन्नता बढ़ती जाती है। बड़ के पेड़ को सुहाग प्रदान करने वाला माना गया है। उत्तर भारत में वट वृक्ष की पूजा का त्योहार मनाया जाता हे। पीपल के वृक्ष पर भगवान विष्णु का वास माना जाता है। पलाश के वृक्ष के नीचे शीतला माता का वास माना गया है। इसी प्रकार आंवला, तुलसी, केला आदि कई पौधों की पूजा-अर्चना का विधान भारतीय संस्कृति में मौजूद है। यह भारतीयता का एक मोहक रूप है। पीपल के वृक्ष को रामायण में भी मान्यता दी गई है। तुलसी की पवित्रता, औषधीय उपयोगों और महत्व के बारे में कई प्राचीन पुस्तकों में वर्णन मिलता है।

इससे सिद्ध होता है कि भारतीय संस्कृति में तुलसी के पौधे को कितना महत्वपूर्ण पौधा माना जाता रहा है। भारतीयता की अनेक विविधताओं के बावजूद वृक्षों का संरक्षण, उनकी पूजा-अर्चना का विधान है।

भारतीयता का अरण्य उत्सव: वृक्षों के प्रति हमारी यह श्रद्धा अनादिकाल से चली आ रही है। अरण्ये ते पृथिवि स्येनमस्तु। अर्थात हे पृथ्वीमाता, तुम्हारे जंगल, हमें आनंद, उत्साह से भर दें। यही श्रद्धा और आदर का भाव बार-बार हमें भारतीयता की मूल भावना से भी जोड़ता है। भारतीयता, जो हम सभी के जीवन से जुड़ी हुई है। भारतीयता यानी हरी-भरी वसुंधरा, हरियाली से सजे वनप्रदेश, कामदेव का वसंत, चटकते फूल, श्रंगार से ओत-प्रोत वन, मादक गंधयुक्त समीर, आजादी से उड़ते पक्षी, कोयल की मीठी वाणी, कुंलाचें भरते हिरण, नाचते मोर, झरने, झीलें, कलकल करती नदियां, ये सभी सुंदर पर्यावरण बनाते हैं और बनाते है भारतीयता का एक संपूर्ण फलक। फलक में उपस्थित होते हैं अनेक प्रकार के रंग। प्रकृति का यह उत्सव भारतीयता का मौलिक स्वरूप है। शायद ही विश्व के अन्य किसी भाग या देश की संस्कृति में पर्यावरण को इतना महत्वपूर्ण माना गया है।

हम समझें अपने दायित्व: प्राचीन काल में हुए हमारे ऋषि-मुनियों ने भारतीयता की महक से परिपूर्ण पर्यावरण की कल्पना की थी। यदि किसी वृक्ष को काटना बहुत ही जरूरी हो जाता तो वृक्ष पर रहने वाले पशु-पक्षियों से क्षमा याचना कर मंत्र पढ़ कर सर्वजनहिताय वृक्ष को काटा जाता था। पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने, उसे पूर्ण रूप से प्रकृति के अनुकूल रखने तथा विकास के साथ एक तादात्म्य और सामंजस्य रखने की प्रेरणा भारतीयता देती है। प्राचीन शास्त्र, साहित्य, संस्कृति, कला जो कुछ भी इस भारत भूमि पर विद्यमान रहा वह सब भारतीयता से परिपूर्ण है और यही बात प्रकृति, पर्यावरण तथा वातावरण पर भी लागू होती है। यह बेहद खेद का विषय है कि भौतिकवादी उपभोक्ता संस्कृति ने सभी प्राचीन भारतीय मूल्यों को नष्ट कर दिया है। प्रकृति के संरक्षण की बात कोई नहीं करना चाहता है। लेकिन हम सब कभी न भूलें कि अपने अस्तित्व को बचाए रखने के लिए भी पेड़-पौधों को लगाना, उनका संरक्षण करना, जीव-जंतुओं, पेड़-पौधों की रक्षा सब कुछ हमारा नैतिक दायित्व है, भारतीयता का कर्तव्य है। अगर हम इस कर्तव्य को पूरा कर सकें तो एक शस्य श्यामला हरित भूमि हमारे चारों ओर मुस्कुराएगी। *

कविता
अलका सोनी

नदी सबको देती है

नदी सबको देती है
बहुत कुछ...
जल, जंगल, जमीन
मछलियां, सूर्य को
अर्घ्य देने की जगह।
इसी तरह उसने
मुझे भी बहुत कुछ दिया
लेकिन मैंने देर से
देखा और समझा यह सब।
तब आश्चर्य हुआ कि
वो तब भी देती रहती है
जब हम नहीं जानते
उसका देते जाना।
यह सब देख
मन में आने लगती है
बस एक ही बात कि
नदी जो सबको देती है
कुछ न कुछ
बदले में पाती है
उसे नहीं समझे
जाने की
कई वजहें।

लघुकथाएं

मेरे नाम का पेड़

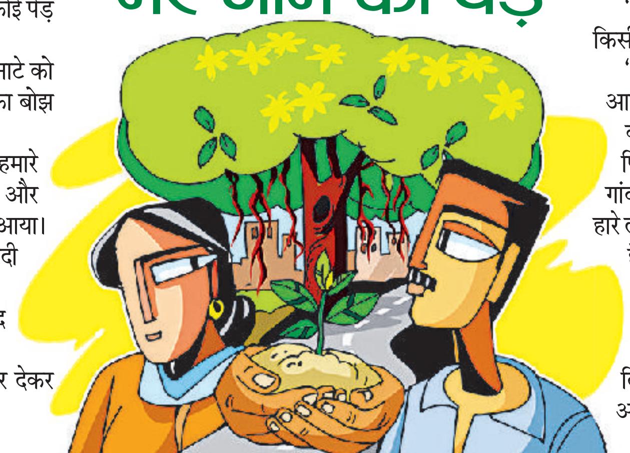

उसने मेरी बात काटते हुए अचानक पूछा, 'यह बताइए, क्या आपने अपने जीवन में कोई पेड़ लगाया है?'

मैंने सिर पर हाथ फेरा, बगलें झांकीं, तभी सन्नाटे को चीरती उसकी आवाज आई, 'आठ मन लकड़ी का बोझ सिर पर उधार लेकर जाओगे ऊपर?'

'तुमने जो इतने सारे पेड़ लगा रखे हैं। एक हमारे नाम का भी लगा दो।' मैंने बचना चाहा। वह मुझे और जलील न करे इसलिए मैंने बात घुमाई, 'अरे याद आया। एक बरगद के पेड़ की पौध तुमने मेरे नाम से खरीदी थी, उसका क्या हुआ?'

वह कुछ आश्चर्य से बोली, 'अब पंद्रह साल बाद तुम्हें उसकी याद आ रही है?'

'आखिर बताओ तो हुआ क्या था?' मैंने जोर देकर पूछा। 'उसकी तो कहानी हो गई थी।' वह बोली।

'हुआ क्या था?' मुझे उत्सुकता हुई।

'वो पापा की नजर उस पौधे पर पड़ी तो पूछ बैठे कि तो तुम ले ही आईं बरगद। चलो, मैं इसे अभी गांव के बाहर मेन रोड पर रोप देता हूं।' उसने कहानी बताई।

'तुमने कहा नहीं कि यह मेरे नाम का पेड़ है, किसी की अमानत है।' मैंने कहा।

'मुगले आजम के सामने मुंह खोलना इतना आसान था क्या? वो तो सीधे चिनवा देते।' वह कंधे उचका कर बोली। थोड़ी देर खामोशी रही फिर उसने धीरे से कहा, 'सच बताऊं, जब भी मैं गांव जाती हूं और इंट्री पर वह बरगद का पेड़ थके-हारे लोगों को अपने साए की आगोश में समेटे दिखता है तो मैं कार रुकवा कर पेड़ देर तक निहारती हूं। किसी ने यात्रियों की सेवा के लिए एक चाय-पान की गुमटी भी डाल ली है। प्रधान जी ने गर्मी में प्यासों के वास्ते एक हैंडपंप भी लगवा दिया है। किसी दिन आप भी मेरे साथ चलिए, आपको पेड़ देखकर बहुत खुशी होगी।'

मैं सोचने लगा कि मरने के बाद बरगद की लकड़ी से जलाया जाता है कि नहीं? *

-प्रेमेंद्र श्रीवास्तव

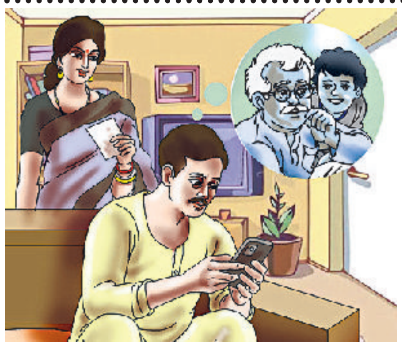

विज्ञापन

एक व्यक्ति ने अखबार में विज्ञापन छपवाया, 'पांच साल का यह लड़का, जिसकी फोटो दी जा रही है, कल शाम से घर से लापता है। किसी को यह बच्चा दिखाई दे या मिले तो दिए गए फोन नंबर पर सूचित करें। सूचना देने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा।'

दूसरे दिन ही उस व्यक्ति के फोन की घंटी बजी। आवाज आई, 'आपने अखबार में बच्चे की गुमशुदगी का विज्ञापन दिया है। उसी के संबंध में बताना चाहता हूं कि आपका बच्चा कल से मेरे पास है, आप तुरंत आकर ले जाएं।' 'आप कौन बोल रहे हैं और कहां से बोल रहे हैं?' व्यक्ति ने जल्दी से पूछा।

'मैं सुखद वृद्धाश्रम से रघुबीर बोल रहा हूं...।' जवाब मिला।

यह सुनकर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। उसने तुरंत अपनी पत्नी से कहा, 'गुड्डू मिल गया है, वह वृद्धाश्रम में अपने दादा जी के पास है।' *

-गोविंद भारद्वाज

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

प्रेम का साहित्यिक प्रवाह

नवोदित प्रवाह पत्रिका का वार्षिकांक प्रेम विशेषांक के रूप में प्रकाशित होकर आया है। यह अंक नामचीन और नवोदित लेखकों की रचनाशीलता से भरा-पूरा है। यहां संकलित रचनाओं के द्वारा प्रेम के मनोवैज्ञानिक विवेचन, उसके दार्शनिक पहलू, उसकी ऐंद्रिक व्याख्या और उसकी आत्मानुभूति के अलग-अलग आयामों से रूबरू हुआ जा सकता है। वैसे तो इस अंक में प्रेम पर अच्छी कहानियां, लघुकथाएं, समीक्षाएं और लेख पठनीय हैं ही, लेकिन खासतौर पर काव्य खंड बहुत ही समृद्ध है। इसमें प्रेमाधारित कई बेहतरीन कविताएं, गजलें, दोहे और गीत पाठक को प्रेमरस से सराबोर कर देते हैं। लाजवाब गीत और गजल खंड के अलावा कविता खंड में आलोक धन्वा, अच्युतानंद मिश्रा, अल्पना सिंह और आरती आस्था की कविताएं मन में ठहर जाती हैं।

विभिन्न भारतीय भाषाओं में लिखी गई प्रेम कविताओं के अनुवाद ने इस अंक को संग्रहणीय बना दिया है। कृष्ण बिहारी, जितेन ठाकुर और रेणु हुसैन की कहानियां विशेष रूप से पठनीय हैं तो प्रेम पर अलग-अलग कोणों से लिखे गए लेखों में प्रेम की शाश्वतता को सलीके से व्यक्त किया गया है। *

पत्रिका: नवोदित प्रवाह (वार्षिक पहल 2025-प्रेम विशेष), **प्रधान संपादक:** रजनीश त्रिवेदी 'आलोक', **मूल्य:** 100 रुपए, **संपादकीय कार्यालय:** देहरादून, उत्तराखंड

इन गर्मी की छुट्टियों को बिताने के लिए अगर आप किसी प्राकृतिक, शांत, सुरम्य स्थान पर जाना चाहते हैं, तो माउंट आबू आपके लिए परफेक्ट डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां आपको ऐतिहासिक मंदिर, प्राकृतिक झीलों के साथ-साथ कई मनोरम नजारे देखने को मिलेंगे।

प्राकृतिक सौंदर्य-आध्यात्मिक सुकून का संगम माउंट आबू

सैर-सपाटा

अंशु सिंह

प्राकृतिक सुंदरता और अध्यात्म का अनुपम संगम स्थल है राजस्थान का हिल स्टेशन माउंट आबू। मरुस्थल की वीरानियत में एक शीतल तपोभूमि, जहां बिखरी है अरावली की हरियाली। फैला है, नक्की झील का अप्रतिम सौंदर्य। प्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन, जिसका कण-कण कर लेता है सम्मोहित। गर्मी हो, सर्दी या हो बरसात, माउंट आबू में हर मौसम का है अपना अलग आनंद...।

अरावली के मध्य बसा: अरावली पर्वत श्रंखला के मध्य में बसे माउंट आबू में प्रकृति का जनमानस के साथ कुछ ऐसा सामंजस्य स्थापित है कि 'अद्भुत' के अतिरिक्त अन्य शब्द नहीं सूझता। यहां के वायुमंडल में ही पसरी है सुकून और शांति। मौसम का ताप भी मनोनुकूल नर्म है। रेगिस्तानी राज्य के अन्य हिस्सों की तरह गर्म नहीं है यह स्थान। आखिरकार, प्रदेश का यह एकमात्र हिल स्टेशन जो है। सिरोही जिले में स्थित इस पठारी क्षेत्र को कुदरत ने नदी, झील, झरने सभी की सौगात दे रखी है। यह प्रदेश का सिरमौर है, जिसे भारत ही नहीं, संसार की प्राचीनतम पर्वत श्रंखलाओं में से एक अरावली, उत्तर से दक्षिण दो हिस्सों में विभाजित करती है। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्रालय ने पर्यावरणीय दृष्टिकोण से इसे संवेदनशील क्षेत्र भी घोषित कर रखा है।

भारत की आध्यात्मिक भूमि: माउंट आबू ऐतिहासिक काल से ही अलग-अलग धर्मावलंबियों की कर्मभूमि और तपोभूमि रहा है। आज भी यह स्थान हिंदू और जैन धर्मावलंबियों का पवित्र तीर्थस्थल है। कथानुसार, जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर माउंट आबू आए थे, जिसके बाद से यह जैन अनुयायियों का विशेष तीर्थस्थान बन गया है। माउंट आबू का प्राचीन नाम अर्बुदांचल है। पुराणों में इसका उल्लेख अर्बुदा अरण्य (अर्थात अर्बुदा के वन) के नाम से भी मिलता है। बाद में यही 'अर्बुदा', 'आबू' में परिवर्तित हो गया। ऐसी मान्यता है कि ऋषि वशिष्ठ का जब विश्वामित्र से मतभेद हो गया था, तब वे माउंट आबू के दक्षिणी भाग में आकर बस गए थे। उन्होंने पृथ्वी से असुरों के विनाश के लिए यहां यज्ञ का आयोजन भी किया था। इनके अलावा, आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज का अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय भी यहां स्थित है।

मनमोहक नक्की झील: पहाड़ों की छांव और अरावली की हरियाली के मध्य मचलती अति रमणीय नक्की झील को माउंट आबू का दिल कहा जाता है। 11000 मीटर की ऊंचाई पर स्थित ढाई किलोमीटर लंबी यह झील कौतुहल पैदा करती है। एक किंवदंती के अनुसार, रसिया बालम नामक शिल्पकार और तत्कालीन राजा की बेटी एक-दूजे से प्रेम करते थे। लेकिन राजा की शर्त थी कि अगर शिल्पकार एक रात में झील की खुदाई कर देता है, तो वह अपनी पुत्री उससे ब्याह देंगे। रसिया ने यह चमत्कार कर दिखाया। हालांकि बाद में राजा ने अपनी बेटी उसे देने से इंकार कर दिया। दूसरी कथा के अनुसार, देवताओं ने बाली राक्षस से रक्षा के लिए अपने नाखूनों से इस झील का निर्माण किया था। इसलिए इसका नाम नक्की झील पड़ा। गरासिया जनजाति के लिए यह पवित्र झील आस्था की प्रतीक है।

बहुत प्रसिद्ध है सनसेट प्वॉइंट: फिल्म 'कयामत से कयामत तक' का एक खूबसूरत संवाद है, 'इस डूबते हुए सूरज ने हमें पहली बार मिलाया था। यही हमें एक दिन हमेशा के लिए मिला देगा।' अभिनेता आमिर खान और जूही चावला के इस संवाद में जिस 'डूबते हुए सूरज' का जिक्र हो रहा, वह यहीं माउंट आबू के सनसेट प्वाइंट पर शूट की गई थी। यहां पास ही में स्थित हनीमून प्वॉइंट नव विवाहितों का पसंदीदा स्थान है। माउंट आबू आने वाले पर्यटकों के लिए सनसेट प्वॉइंट रोमांच से भरपूर एक ऐसा मनोरम स्थल है, जहां से पल-पल रंग बदलते आकाश एवं बादलों की ओट में छिपते-ढलते सूर्य के विस्मयकारी दृश्य को देखा जा सकता है। यहां आने वाले पर्यटक इन नजारों को अपनी यादों के साथ-साथ अपने कैमरे में भी जरूर कैद करते हैं।

विश्व प्रसिद्ध दिलवाड़ा जैन मंदिर: अपनी माउंट आबू यात्रा के दौरान आप दिलवाड़ा जैन मंदिर अवश्य जाएं। 11वीं से 13वीं शताब्दी के दौरान निर्मित दिलवाड़ा जैन मंदिर, जैन वास्तुकला का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंदिर का प्रवेशद्वार गुंबद वाले मंडप से होकर गुजरता है। सामने एक वर्गाकार भवन है, जिसमें छह स्तंभ और दस हाथियों की प्रतिमाएं हैं। पांच मंदिरों के इस समूह में विमल शाह द्वारा निर्माण कराया गया मंदिर, सबसे पुराना है, जो जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर को समर्पित है। इसके अलावा, 22वें तीर्थंकर नेमिनाथ को समर्पित लून वासाही मंदिर भी दर्शनीय है। यहां एक अद्भुत देवरानी-जेठानी मंदिर भी है, जिसमें भगवान आदिनाथ एवं शांतिनाथ जी की मूर्तियां स्थापित हैं। संपूर्ण मंदिर एक प्रांगण के अंदर घिरा हुआ है, जिसमें छोटे स्तंभों की दोहरी पंक्तियां हैं। यहां फूल-पत्तियों और अन्य मोहक डिजाइनों से अलंकृत, नक्काशीदार छतें, पशु-पक्षियों की शानदार आकृतियां, सफेद स्तंभों पर बारीकी से उकेरी गई बेलें, जालीदार नक्काशी से सजे तोरण और जैन तीर्थंकरों की प्रतिमाएं हैं।

पीस पार्क में प्रकृति का आनंद: ब्रह्मा कुमारी का पीस पार्क, विविध प्रजातियों के पेड़-पौधों के बीच आपको एक अलग ही जगत में होने का एहसास कराएगा। यहां फूलों के साथ-साथ फलों के भी उद्यान हैं। यहां गुलाब, नीबू, बांस समेत अनेक वृक्ष देखे जा सकते हैं। खूबसूरत रॉक गार्डन एवं अन्य लैंडस्केपिंग को देखना भी कम दिलचस्प नहीं है। पार्क में ध्यान के लिए विशेष कोना भी है। *

कैसे जाएं: माउंट आबू का सबसे निकटतम हवाई अड्डा उदयपुर 185 किलोमीटर, जबकि अहमदाबाद 235 किलोमीटर दूर है। सबसे नजदीकी रेलवे स्टेशन आबू रोड 28 किलोमीटर की दूरी पर है, जो अहमदाबाद, दिल्ली, जयपुर और जोधपुर से जुड़ा है। यह सड़क मार्ग से देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा है। दिल्ली के कश्मीरी गेट बस अड्डे से माउंट आबू के लिए सीधी बस सेवा उपलब्ध है। राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम की बसें दिल्ली के अलावा अन्य शहरों से माउंट आबू के लिए अपनी सेवाएं मुहैया कराती हैं।

कब जाएं: आप गर्मी या सर्दी कभी भी यहां जा सकते हैं। नवंबर से फरवरी के बीच यहां सर्दी का मौसम होता है। काफी पर्यटक आते हैं। इसके अलावा, अप्रैल से जून के बीच भी यहां घूमने जाया जा सकता है। अगर मानसून का मजा लेना है, तो जुलाई से सितंबर के महीने में यहां की योजना बना सकते हैं।

किसी को उबासी लेते देख आपको भी जम्हाई आने लगती है, है ना! वास्तव में कुछ आदतें, हरकतें या प्रतिक्रियाएं ऐसी होती हैं, जो किसी दूसरे को करते देख, ठीक वैसा ही करने के लिए हमारा भी मन मचल उठता है। ऐसा क्यों होता है, जानिए।

इन एक्टीविटीज को देख मन अपना भी मचलता है!

जीवनशैली

शिखर चंद जैन

कई बार अनजाने में दूसरे की किसी एक्टिविटी को देखकर हम भी वैसा करने लगते हैं या वैसा करना चाहते हैं। व्यवहार विशेषज्ञों, समाजशास्त्रियों और हेल्थ एक्सपर्ट्स ने कुछ ऐसी इश्यूज का पता लगाया है। आप भी इनके बारे में जानिए।

फ्रेंड जैसे सामान: 'जर्नल ऑफ न्यूरोसाइंस' में प्रकाशित एक शोध के मुताबिक लोगों को उस चीज की सबसे ज्यादा चाह होने लगती है, जो उनके किसी प्रियजन या मित्र के पास हो। भले ही आपके पास पहले ही एक से एक टी-शर्ट, सलवार सूट या फुटवेयर हों, लेकिन फ्रेंड के पास कोई नया पेयर देखते हैं, तो आपका भी मन मचल उठता है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हम किसी चीज के स्वामित्व को जब सेल्फ एस्टीम से जोड़कर देखने लगते हैं, तब ऐसी इच्छा जाग्रत हो जाती है।' कई बार हम इन चीजों को प्रेस्टीज इश्यू बना लेते हैं।

बालों पर हाथ फेरना: व्यक्तित्व विकास के विशेषज्ञ ग्लेन विल्सन ने अपनी किताब 'इंट्रोड्यूसिंग बॉडी लैंग्वेज: ए प्रैक्टिकल गाइड' में लिखा है कि दो व्यक्ति जब एक-दूसरे से व्यक्तिगत बातें कर रहे होते हैं, तो उनमें एक-दूसरे को देखकर अपने बालों में हाथ फेरने या अपने बालों से खेलने की इच्छा बलवती हो उठती है। इस स्थिति को मनोवैज्ञानिक 'सिंक्रोनी' या 'पोश्चरल ईको' कहते हैं। इनका कहना है कि हम अपने सोशल बिहेवियर का काफी कुछ अपने नजदीकी लोगों से देखकर सीखते हैं, इसलिए जाने-अनजाने में हम उनकी बॉडी लैंग्वेज की नकल कर बैठते हैं।

खुजली की तलब: एक अध्ययन के मुताबिक अपने सामने मौजूद किसी व्यक्ति को सिर या कान खुजलाते हुए देखने पर वहां मौजूद दूसरे लोगों को भी ऐसा करने की इच्छा करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं, 'हमारे अवचेतन मन में किसी को खुजली करते देख या जम्हाई लेते देख, ऐसा दोहराने की स्वाभाविक प्रवृति होती है। ऐसा ही किसी को पानी पीते देखकर या टॉयलेट के लिए उठता देखकर किसी सार्वजनिक स्थान (जैसे सिनेमा हॉल, क्लास रूम या स्टेडियम) में होता है।

खुद को बीमार महसूस करना: कभी आपके साथ ऐसा जरूर हुआ होगा कि आपके किसी मित्र ने अपनी बीमारी के कुछ लक्षण आपको बताएं हों और आपने भी वैसा ही महसूस किया हो। रिसर्च बताते हैं कि हम दूसरों से 'डर' बहुत जल्दी पिकअप कर लेते हैं। आपने देखा होगा कि कई बार लोग बिना कारण जाने ही कुछ लोगों को सड़क पर दौड़ते देख, खुद भी दौड़ने लगते हैं। पेनसिलवेनिया विवि के मनोवैज्ञानिक लौरेन नेपोलिटानो कहते हैं, 'आप एक साधारण उदाहरण से इसे समझ सकते हैं। किसी संगीत समारोह में बेहद तेज संगीत को जब आप दूसरों को एंज्वॉय करते देखते हैं, तो खुद भी इसे एंज्वॉय करने लायक समझते हैं लेकिन पांच-दस लोग इसके 'लाउड' होने की शिकायत करते हुए कान पर हाथ धरते दिख जाते हैं तो आप भी अपने कान ढंक लेते हैं।

तनाव महसूस करना: 'सोशल न्यूरोसाइंस' जर्नल में प्रकाशित एक रिसर्च के मुताबिक सहकर्मी का तनाव देखकर अगल-बगल मौजूद दूसरे लोगों में भी स्ट्रेस हार्मोन रिलीज होने लगता है। दूसरे को टेंशन या तकलीफ में देखकर दुखी या तनावग्रस्त होना मानवीय प्रवृति है। ठीक ऐसा ही क्रोध के मामले में भी होता है। दूसरे का क्रोध देखकर हम भी उत्तेजित हो जाते हैं और क्रोध भरे स्वर में बात करने लगते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ विस्कोंसिन-मेडिकल की शोधकर्ता एलिजाबेथ क्रूसमार्क के अनुसार, 'भावनात्मक संक्रामकता शरीर में घटित होने वाले केमिकल सिग्नल्स की वजह से उत्पन्न होती है। यही वजह है कि किसी को तनाव, क्रोध या बेचैनी में देखकर हम भी वैसा ही महसूस करने लगते हैं।'

कम या ज्यादा भोजन करना: कई अध्ययनों में पाया जा चुका है कि किसी रेस्तरां या पार्टी में आप अगर ज्यादा भोजन करने वाले लोगों के साथ हैं, तो आप भी ज्यादा मात्रा में भोजन कर लेते हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया में 12,000 से ज्यादा लोगों पर किए अध्ययन में पाया गया कि किसी समूह का एक व्यक्ति 'मोटा' हो जाए तो उसके नजदीकी लोगों में मोटापे की संभावना 57 फीसदी बढ़ जाती है। ठीक ऐसा ही सेहत के प्रति जागरूक और संयमित खान-पान करने वालों के साथ रहने से होता है। *

हंसना या मुस्कुराना

किसी सामूहिक कार्यक्रम के दौरान दूसरों को ठहाके मार कर देखना या एक व्यक्ति को मुस्कुराते हुए देखना स्वतः ही दूसरे लोगों को भी ठहाके मारने या मुस्कुराने के लिए प्रेरित कर देता है। खुशी या सकारात्मक प्रतिक्रिया भी उसी तरह दूसरों को प्रेरित करती है जैसे नेगेटिव एक्टिविटी करती है। मनोवैज्ञानिक कहते हैं हर क्रिया की प्रतिक्रिया इंसानी स्वभाव है। अगर कोई व्यक्ति आपको देखकर अच्छी टिप्पणी करता है, खुश होता है या मुस्कुराता है, तो आप खुद-ब-खुद ऐसा करने लग जाते हैं।

अनेक अध्ययनों से साबित हुआ है कि हमारी लापरवाही से प्रदूषित हो रहे वातावरण से अनेक बीमारियां पनप रही हैं। हम अपने पर्यावरण को प्रदूषणमुक्त बनाकर, सही जीवनशैली अपनाकर ही स्वस्थ रह सकते हैं। इसके लिए प्रयास हमें ही करने होंगे।

पर्यावरण बनाएं प्रदूषणमुक्त आप रहेंगे स्वस्थ-ऊर्जावान

दायित्व

डॉ. राकेश 'चक्र'

वर्षों से अनेक वैज्ञानिक अध्ययन इस बात को इंगित कर रहे हैं कि हम इंसान ही अपने पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। यह जानते हुए भी कि यह प्रवृत्ति हमें विनाश की ओर ले जा सकती है, प्रकृति और पर्यावरण के विरुद्ध गैर जिम्मेदाराना कार्यशैली अपनाकर उसे प्रदूषित करते ही जा रहे हैं।

हमारी लापरवाही है जिम्मेदार: यह बहुत चिंता का विषय है कि हम अपनी रोजमर्रा की कार्यशैली से पर्यावरण को प्रदूषित करते जा रहे हैं। हमने प्रकृति के पंच तत्वों-अग्नि, वायु, आकाश, पृथ्वी और जल को प्रदूषित करके भारी नुकसान पहुंचाया है और निरंतर पहुंचाते ही जा रहे हैं। हालात यह हो चुके हैं कि पानी को आरओ से शुद्ध करके पीना पड़ रहा है या फिर फिल्टर्ड पानी की बोतल खरीदनी पड़ रही है। कैंसर के रोगियों में निरंतर वृद्धि हो ही रही है। पैदल चलना अब शान-शौकत के विरुद्ध माना जाता है। पचास-सौ मीटर के लिए भी वाहन का प्रयोग किया जाता है। इसी सुविधाभोगिता के चलते रोग और रोगियों का ग्राफ बढ़ रहा है।

हालात हो जाएंगे गंभीर: अगर हालात यही रहे, तब निकट भविष्य में हमें श्वास लेने के लिए हमेशा मास्क पहन कर चलना पड़ेगा। कदाचित अब जल्दी ही ऐसा भयावह समय आने वाला है कि हमें ऑक्सीजन का सिलेंडर साथ में लेकर चलना पड़ेगा, तब कहीं हम श्वास लेकर जीवित रहने के लिए संघर्ष कर पाएंगे। ऐसे में हमें चिंतन-मनन करना ही होगा कि हम किस दिशा और दशा की ओर बढ़ रहे हैं? इसमें सुधार के लिए पर्यावरण को स्वच्छ करने की शुरुआत हमें स्वयं से ही करनी होगी। यह तभी हो सकता है, जब हम अपने मन से पूरी तरह संकल्पित हो जाएं।

ऐसे करें खुद से शुरुआत: आने वाली भयावह स्थितियों से बचने के लिए सबसे पहले तो हम अपनी दिनचर्या में ही आमूल-चूल परिवर्तन करें। आहार-विहार को प्रकृति के अनुकूल ढालें। सुविधाभोगिता की वस्तुओं का प्रयोग उतना ही करें, जितना अतिआवश्यक हो। अपने आस-पास तुलसी, मनीप्लांट, स्नेकप्लांट, नीम, पीपल आदि के पौधे अधिक से अधिक रोपें और देखभाल करें। सुविधाभोगिता में कटौती करके ही बिजली की बचत की जा सकती है। 'एसी संस्कृति' भयावह प्रदूषण की ओर ले जा रही है। हम न भूलें एसी में प्रयुक्त होने वाली गैस वातावरण को प्रदूषित करती है। इसलिए जहां तक संभव हो एसी का प्रयोग न करें या बहुत सीमित मात्रा में करें।

स्वच्छता का रखें ध्यान: अपने घर के आस-पास सड़क और पार्क की स्वच्छता का भी ध्यान रखें। घर की रसोई से निकलने वाले सब्जियों और फलों के छिलके, चाय पत्ती आदि का खाद बनाएं, वह आसानी से बन जाता है। इसका तरीका यही है कि छिलके आदि को खाली गमले, प्लास्टिक के कट्टे या अनुउपयोगी बाल्टी, डब्बे आदि में भरते जाएं। जब वह आधा भर जाए तो उसमें ऊपर से मिट्टी भर दें। दो चार दिन थोड़ा-थोड़ा पानी डाल दें, मिट्टी के ऊपर कोई भी पौधा रोप दें। पौधा बढ़ता रहेगा और कचरा खाद में परिवर्तित होकर उपयोगी मिट्टी बनता रहेगा।

यथासंभव रोकें प्रदूषण: जरूरी नहीं कि कहीं भी जाने के लिए स्कूटर, बाइक या कार ही निकालें। आस-पास एक डेढ़ किलोमीटर की दूरी दस-पंद्रह मिनट पैदल चलकर तय कर सकते हैं। कुछ अधिक दूरी को साइकिल से भी पूरा कर सकते हैं। इससे हम स्वस्थ भी रहेंगे।

जीवनशैली में करें सुधार: कूड़ा-करकट यथास्थान पर ही एकत्र करें, इधर-उधर न फेंकें। धूम्रपान, गुटखा और मद्यपान आदि से बचें। ये सिर्फ वातावरण को ही नहीं हमारे शरीर के तंत्र को भी प्रदूषित कर देते हैं। *

साल 1975 देश के लिए सामाजिक-राजनीतिक दृष्टि से उथल-पुथल भरा रहा। हिंदी सिनेमा के लिहाज से भी वह वर्ष अभूतपूर्व रहा। उस वर्ष आई उन तीन फिल्मों 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां' से जुड़ी कुछ रोचक बातों पर एक नजर, जिसने सफलता और कमाई के झंडे तो गाड़े ही, हिंदी सिनेमा को नई दिशा भी दी।

तीन ब्लॉक बस्टर फिल्मों के 50 साल शोले-दीवार-जय संतोषी मां

बड़ा पर्दा / मनोज प्रकाश

अब से पचास साल पहले यानी वर्ष 1975 में सिल्वर स्क्रीन पर तीन ऐसी हिंदी फिल्में रिलीज हुईं, जिसने कमाई और कामयाबी के नए कीर्तिमान स्थापित किए। आपातकाल का वह वर्ष देशवासियों की चेतना में, उनके जीवन में कई तरह के बदलाव लेकर आया। वहीं उस साल रिलीज हुई तीन सुपरहिट फिल्मों ने हिंदी सिने प्रेमियों को मनोरंजन और भक्ति का बेहतरीन तोहफा दिया। वह साल हिंदी फिल्म जगत के लिए मील के पत्थर की तरह रहा। उस साल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने वाली तीन फिल्में थीं- 'दीवार', 'शोले' और 'जय संतोषी मां'। 2025 इन तीनों ही फल्मों की रिलीज का स्वर्ण जयंती वर्ष है।

दीवार लिखी सफलता की नई इबारत

वर्ष 1975 में 24 जनवरी को फिल्म 'दीवार' रिलीज हुई। यह उस दौर में एक नई तरह की फिल्म थी। फिल्म का कथानक सामाजिक मुद्दों को उठाते हुए कुछ इस तरह से रचा गया था कि इसने गरीबी, अन्याय, भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों को विस्फोटक रूप से पेश किया। फिल्म में दो भाइयों के बीच खड़ी 'दीवार' ने दर्शकों को अपनी तरफ खूब खींचा। इसमें अमिताभ की 'एंग्री यंग मैन' इमेज के दर्शक कायल हो गए। सही अर्थों में इस फिल्म को न्यायप्रिय समाज का प्रतिबिंब कहा जा सकता है। 'दीवार' के डायलॉग्स आज भी सिने-प्रेमियों के बीच लोकप्रिय हैं। 'मैं आज भी फेंके हुए पैसे नहीं उठाता', 'जाओ पहले उस आदमी के साइन लेकर आओ..' जैसे डायलॉग्स सुनते ही सिनेमाघरों में दर्शकों की सीटियां और तालियां गूंजने लगती थीं। अन्याय के खिलाफ लड़ने वाले नायक के रूप में अमिताभ बच्चन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। इसी फिल्म में शशि कपूर का डायलॉग 'मेरे पास मां है' दर्शकों को इमोशनल कर जाता है।

शोले तोड़े कामयाबी के रिकॉर्ड

15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई 'शोले' को हिंदी फिल्म इतिहास के अब तक की सबसे बेहतरीन फिल्मों में से एक के रूप में गिना जाता है। जब यह फिल्म रिलीज हुई तो इसके सफल होने पर ही लोग शक कर रहे थे। लेकिन इस फिल्म को दर्शकों का भरपूर प्यार मिला। फिल्म ने सफलता के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। इस फिल्म ने सौ सिनेमाघरों में अपनी रिलीज की सिल्वर जुबली और पचास से अधिक में गोल्डेन जुबली का रिकॉर्ड कायम किया। फिल्म निर्माण जगत में यह क्रांतिकारी बदलाव लाने वाली फिल्म मानी जाती है। फिल्म का वह दृश्य जिसमें जय (अमिताभ) वीरू (धर्मेंद्र) को कारतूस लाने के लिए कहता है, उसमें सिक्के का एक ही पहलू अभी तक दर्शकों को रोमांचित कर देता है। जहां कहीं दोस्ती निभाने की बात आती है, वहां जय-वीरू और 'शोले' का सिक्का दर्शक नहीं भूलते हैं। जय का बसंती (हेमा मालिनी) से पूछना, 'तुम्हारा नाम क्या है बसंती?' वीरू का टंकी वाला सीन और 'सुसाइड' वाला डायलॉग। गब्बर (अमजद खान) के डायलॉग्स, 'कितने आदमी थे?', 'तेरा क्या होगा कालिया?', बसंती (हेमा मालिनी) का डायलॉग, 'चल धन्नो, आज तेरी बसंती की इज्जत का सवाल है', ठाकुर (संजीव कुमार) पर फिल्माए गए दृश्य और संवाद। राधा (जया बच्चन) का चुलबुलापन और मौन। 'अंग्रेजों के जमाने के जेलर' (असरानी) और सूरमा भोपाली (जगदीप) के कॉमेडी सींस। फिल्म का एक-एक दृश्य, एक-एक पात्र, एक-एक डायलॉग, एक-एक गीत आज भी सिने प्रेमियों के जेहन में जीवंत है।

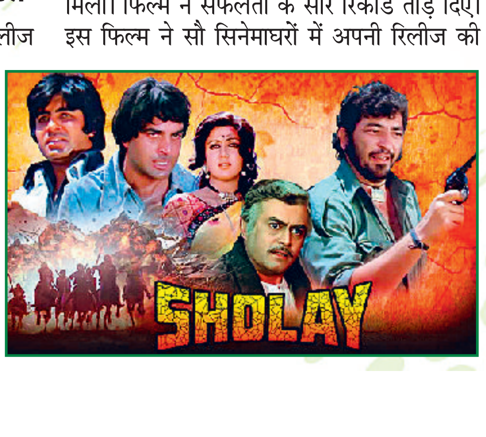

जय संतोषी मां जलाई भक्ति की अलख

'दीवार' और 'शोले' ने जहां हिंसा और बदले की भावना को प्रतिबिंबित किया, वहीं 'जय संतोषी मां' ने आस्था, भक्ति और विश्वास की जीत दिखाकर ब्लॉक बस्टर का तमगा हासिल किया। यह फिल्म 'शोले' के साथ ही यानी 15 अगस्त 1975 को रिलीज हुई थी। सामूहिक परिवार की कहानी में भाइयों की आपसी खींचतान के साथ इस फिल्म ने धर्म तथा आस्था का बेजोड़ संगम प्रस्तुत किया। आस्था, विनम्र भक्ति में रची-बसी 'जय संतोषी मां' ने भक्ति फिल्मों के एक ऐसे युग की शुरुआत की, जिसको पचास साल बाद भी भारतीय फिल्म उद्योग और समाज मानक मानकर चलता है। फिल्म में भजन और आरती के समय दर्शक एक साथ खड़े हो जाया करते थे। फिल्म समीक्षक इस बात को प्रमुखता से इंगित करते हैं कि फिल्म की रिलीज के बाद समाज में संतोषी माता के प्रति आस्था में अभूतपूर्व वृद्धि हुई। फिल्म के भजन और आरती- 'मैं तो आरती उतारूं रे', 'यहां-वहां, जहां-तहां, मत पूछों कहां-कहां', 'करती हूं तुम्हारे व्रत मैं', 'मदद करो संतोषी माता' भक्ति संगीत में मील के पत्थर बन चुके हैं। आज भी इस फिल्म के गीत घरों और मंदिरों में भक्तिभाव से गाए, बजाए और सुने जाते हैं। *